INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष–4 | अंक–141 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 17 जुलाई 2026 | पेज–12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

खाकी के पीछे छिपी बेबसी, बूढ़े मां–बाप की चिंता में गुजरती ड्यूटी

यूनिक समय, मथुरा। खाकी वर्दी पहनने वाले पुलिसकर्मी दूसरों की सुरक्षा का दायित्व निभाते हैं, लेकिन उनके अपने जीवन में भी ऐसी चिंताएं हैं, जिन्हें वे अक्सर ड्यूटी और अनुशासन के पीछे छिपाकर रखते हैं। पुलिस विभाग में स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी अपने गृह जनपद या उसके आसपास तैनाती पाने के प्रयास में जुटे हैं। उनकी प्राथमिकता बेहतर पदस्थापना नहीं, बल्कि बुजुर्ग और बीमार माता–पिता के करीब रहना है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार, कई पुलिसकर्मियों ने अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर ऐसे जिलों में स्थानांतरण का अनुरोध किया है, जहां से वे ड्यूटी के साथ–साथ अपने परिवार की जिम्मेदारियां भी निभा सकें। बातचीत

मनपसंद तैनाती नहीं, घर के करीब पोस्टिंग चाहते हैं पुलिसकर्मी

बीमार माता–पिता की सेवा के लिए अच्छी तैनाती छोड़ने को भी तैयार

में कुछ पुलिसकर्मियों ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि उनके पिता गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और घर पर उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। उनका कहना है कि जीवन के अंतिम पड़ाव पर माता–पिता को अकेला छोड़ना सबसे बड़ी पीड़ा है।

कुछ पुलिसकर्मियों ने बताया कि उनकी मां लंबे समय से अस्वस्थ हैं। वे चाहते हैं कि घर के पास रहकर उनका इलाज और देखभाल कर सकें।

हालांकि, स्थानांतरण नीति और रेंज व्यवस्था के कारण इच्छित स्थान पर तैनाती मिलना आसान नहीं है। ऐसे में कई पुलिसकर्मी लगातार अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं।

मथुरा और आसपास के जिलों के रहने वाले कुछ पुलिसकर्मियों ने बेहतर मानी जाने वाली तैनाती छोड़कर केजेएस ड्यूटी (स्थानीय तैनाती व्यवस्था) जैसे विकल्प अपनाए हैं, ताकि ड्यूटी पूरी करने के बाद परिवार और बुजुर्ग माता–पिता के साथ समय बिता सकें।

पुलिसकर्मियों का कहना है कि वे अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटना चाहते, लेकिन परिवार की जिम्मेदारियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। बुजुर्ग माता–पिता की सेवा का अवसर हर किसी को हमेशा नहीं मिलता। ऐसे में यदि स्थानांतरण नीति में मानवीय आधार पर भी विचार किया जाए तो इससे पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ेगा और वे अधिक समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभा सकेंगे।

कारब और ककरेटिया के दो गुटों में जमकर चली गोलियां

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया क्षेत्र के गांव ककरेटिया में शुक्रवार दोपहर पुरानी रंजिश को लेकर राया और ककरेटिया के दो गुटों के बीच जमकर फायरिंग हुई। दिनदहाड़े चली गोलियों से पूरे गांव में दहशत फैल गई। अचानक गोलियों की आवाज सुनकर ग्रामीण अपने घरों में दुबक गए, जबकि आसपास के क्षेत्र में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया।

सूचना पर क्षेत्राधिकारी महावन संजीव कुमार राय, राया थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह तथा महावन थाने की पुलिस टीम बड़ी संख्या में पुलिस बल

के साथ गांव पहुंची। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात को नियंत्रण में लिया। पुलिस की मौजूदगी देखकर फायरिंग करने वाले आरोपी मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से पांच लोगों को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही पुलिस

गोलियां चलने से गांव में फैली दहशत, भारी संख्या में पुलिस बल पहुंचा

पांच लोगों को लिया गया हिरासत में, गांव में पुलिस बल को किया तैनात

यह भी पता लगा रही है कि फायरिंग में और कौन–कौन लोग शामिल थे। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच काफी समय से पुरानी रंजिश चली आ रही थी, जो शुक्रवार को हिंसक झड़प में बदल गई। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली है, लेकिन लगातार हुई फायरिंग से गांव में भय का माहौल बना रहा।

स्थिति को देखते हुए गांव ककरेटिया में एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस पूरे क्षेत्र में निगरानी बनाए हुए है ताकि दोबारा कोई अप्रिय घटना न हो। अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और फायरिंग में शामिल सभी आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

ऋण अदा न करने पर स्कूल पर हुई कार्रवाई

यूनिक समय, कोसीकलां, मथुरा। मां वैष्णो देवी पब्लिक स्कूल पर बकाया ऋण की वसूली के लिए गोपालबाग स्थित परिसर पर वास्तु हाउसिंग फाइनेंस ने नायब तहसीलदार रूबी यादव की मौजूदगी में पुलिस बल और कंपनी अधिकारियों ने स्कूल को सील कर मुख्य गेट पर नोटिस चस्पा किया। वास्तु हाउसिंग फाइनेंस के अधिवक्ता अरविंद कुमार रावत के अनुसार, स्कूल की संपत्ति पर करीब 77 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया था। ब्याज सहित बकाया

मां वैष्णो देवी पब्लिक स्कूल के गेट पर चस्पा किया नोटिस

राशि बढ़कर लगभग 88.64 लाख रुपये हो गई। नोटिस दिए जाने के बाद भी भुगतान नहीं किया गया। इसके चलते यह कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के दौरान कंपनी के जोनल मैनेजर रमन जोशी, एरिया मैनेजर तरुण अग्रवाल, पुलिस बल और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

राधाकुंड में जूस की दुकान पर हमला, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन के राधाकुंड क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते कुछ युवकों ने एक जूस दुकान में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ कर दी। घटना में दुकान संचालक अमन घायल हो गए।

वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीडित् ने चार नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दो छोटे नोटों से शुरू होगा देश का पहला ट्रायल

प्लास्टिक के नोटों से बदलेगी करेंसी की तस्वीर

यूनिक समय, नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया देश में नई पीढ़ी की करेंसी लाने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत जल्द ही प्लास्टिक यानी पॉलीमर से बने नोटों का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुरुआत छोटे मूल्य वर्ग के नोटों से होगी और 10 और 20 के नोटों की टेस्टिंग की जाएगी। आरबीआई की नोट छापने वाली यूनिट ने इस प्रोजेक्ट के लिए ग्लोबल टेंडर जारी किया है। इसमें पॉलीमर सबस्ट्रेट शीट की मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई के लिए दुनिया भर की कंपनियों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। टेंडर में एडवांस सुरक्षा फीचर्स से लैस पॉलीमर सामग्री की मांग की गई है।

ट्रायल सफल रहने पर साल 2027 से पॉलीमर नोटों को बड़े स्तर पर लॉन्च करने की योजना बनाई जा सकती है। हालांकि, इन नए नोटों के आने के बाद

पुराने कागजी नोट तुरंत बंद नहीं होंगे। दोनों तरह की करेंसी कुछ समय तक बाजार में साथ–साथ चलेंगी और बदलाव धीरे–धीरे किया जाएगा।

पॉलीमर नोटों की खासियत यह है कि ये सामान्य कागजी नोटों की तुलना में ज्यादा मजबूत होते हैं। पानी, धूल और गंदगी से इन पर कम असर पड़ता

भारत में जल्द आएंगे प्लास्टिक नोट, पानी में भी नहीं होंगे खराब

है और ये जल्दी फटते भी नहीं हैं। इनमें आधुनिक सुरक्षा फीचर्स जोड़ना भी आसान होता है, जिससे नकली नोटों पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है।

दुनिया के कई देशों जैसे ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड में पहले से पॉलीमर बैंकनोट इस्तेमाल किए जा रहे हैं। पॉलीमर नोट खास प्लास्टिक सामग्री से बने होते हैं, जो हल्के होने के साथ लंबे समय तक टिकाऊरहते हैं। आरबीआइ का यह कदम भारतीय मुद्रा व्यवस्था को और सुरक्षित और आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुसीबत का साथी, तिजोरी में रखा सोना

प्रमुख संवाददाता

सोना बेचने से पहले खरीद का पक्का बिल और पेमेंट रिकॉर्ड जरुरी

यही रिकार्ड बचा सकते हैं आयकर विभाग की सख्ती से

यूनिक समय, मथुरा। तिजोरी में रखा सोना मुसीबत का साथी है, लेकिन इसे बिना पक्के कागजातों के बाजार में बेचना सीधा आयकर विभाग को न्योता देना है। सोना खुद खरीदा गया हो, गिफ्ट में मिला हो या विरासत में, हर स्थिति में टैक्स के नियम अलग हैं। बिना पक्के बिल और सही जानकारी के सोना बेचने पर भारी पेनाल्टी और टैक्स का झटका लगना तय है।

अपना खरीदा हुआ सोना बेचने के लिए टाइमिंग का खेल सबसे अहम है। अगर आपने 24 महीने से पहले सोना बेचा तो पूरा मुनाफा आपकी आय में जुड़ेगा और टैक्स स्लैब के हिसाब से तगड़ी कटौती होगी। 24 महीने के बाद बेचने पर यह लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन के दायरे में आएगा और मुनाफे पर फ्लैट 12.5 प्रतिशत टैक्स लगेगा।

पुश्तैनी सोने के मामले में इनकम टैक्स विभाग आपके पूर्वजों की खरीद का समय और कीमत देखता है। उनके होल्डिंग पीरियड को आपके समय में जोड़ दिया जाता है। यह नियम सीधे एलटीसीजी का फायदा देता है और टैक्स का बोझ कम करता है।

शादी–विवाह में मिलने वाले सोने पर टैक्स की सख्त नजर है। कानून के तहत माता–पिता, पति–पत्नी या भाई–बहन से मिला सोना पूरी तरह टैक्स फ्री है।

लेकिन अगर किसी दोस्त या परिचित ने एक वित्तीय वर्ष में 50 हजार रुपये से अधिक का सोना गिफ्ट किया, तो वह पूरी मार्केट वैल्यू आपकी 'इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेज' मान ली जाएगी और उस पर सीधा टैक्स लगेगा।

सोने का पक्का बिल टैक्स बचाने का सबसे बड़ा हथियार है। खरीदते वक्त चुकाया गया तीन प्रतिशत जीएसटी और मेकिंग चार्ज आपकी 'कॉस्ट ऑफ एक्विजिशन' (खरीद लागत) का हिस्सा बनते हैं। इन्हें लागत में जोड़ने से आपका शुद्ध मुनाफा कम हो जाता है, जिससे टैक्स भी घटता है। सोना बेचते समय दी गई ब्रोकरेज फीस को भी नियमों के तहत घटाया जा सकता है। बिल नहीं होने पर यह पूरी छूट खत्म हो जाती है।

डिजिटल गोल्ड बेचने पर भी फिजिकल सोने वाले ही नियम लागू होते हैं। हालांकि, गोल्ड ईटीएफ निवेशकों के लिए ज्यादा फायदेमंद है, क्योंकि इसमें एलटीसीजी का होल्डिंग पीरियड सिर्फ 12 महीने रखा गया है। कुल मिलाकर, सोना बेचने से पहले खरीद का पक्का बिल और पेमेंट रिकॉर्ड तैयार रखना ही आपको आयकर विभाग की सख्ती से बचा सकता है।

बादल कर रहे खेल, मौसम का पूर्वानुमान हो रहा फेल

सुबह से शाम तक बादलों के जमने के बाद भी नहीं गिरी एक बूंद

20 को आंधी– तूफान, 19 से 23 जुलाई तक वर्षा का पूर्वानुमान

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार सुबह से शाम तक आसमान में काले बादल जमे, बयार ने भी बादलों को गहराया, लेकिन काले- घने बादलों से एक बूंद भी नहीं गिरी तो लोग निराश हो गए। वर्षा की उम्मीद लगाए बैठे किसानों को एक बार फिर निराशा हाथ लगी।

बादलों के खेल के आगे मौसम विभाग का अनुमान फेल हो रहा है। विभाग लगातार बारिश का अलर्ट जारी कर रहा है, लेकिन बादल बिना बरसे ही लौट जा रहे हैं। इससे खेतों की नमी सूखने लगी है, धान की खेती प्रभावित हो रही है।

सुरीर के किसान वेदपाल ने बताया कि धान की रोपाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। यदि दो–तीन दिन में बारिश नहीं हुई तो फसल को भारी नुकसान हो सकता है। राकेश का कहना है कि डीजल पंप से सिंचाई कराना काफी महंगा पड़ रहा है, जिससे खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। वहीं, केशव राम का कहना है कि किसानों ने रोपाई रोक दी है, क्योंकि खेतों में पर्याप्त नमी नहीं है। मौसम विशेषज्ञ नरेंद्र कुमार ने आज जिले का अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री दर्ज हुआ है। अगले 24 घंटे में वर्षा के आसार हैं।

मौसम विभाग ने जिले से जुड़ा मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। इसमें 20 जुलाई के मौसम का यलो अलर्ट जारी करते हुए आंधी- तूफान आने की संभावना जताई है। वहीं, 19 जुलाई से 23 जुलाई तक आकाशीय गर्जना के साथ वर्षा होने के आसार जताए गए हैं।

ब्रज के 57 गांवों में स्वच्छता नोडल अधिकारी रखेंगे निगाह

अभियान के दौरान प्लास्टिक कचरा एकत्र करते ग्रामीण

प्रत्येक शनिवार श्रमदान प्लास्टिक पृथक्करण और जनभागीदारी पर रहेगा जोर

तीर्थ मार्गों को स्वच्छ बनाने के लिए सख्ती, कूड़ा फैलाने वालों पर लगेगा जुर्माना

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज क्षेत्र को स्वच्छ-सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' महाअभियान को अब ग्रामीण क्षेत्रों में और गति दी जा रही है। डीएम के निर्देश पर जनपद के 10 प्रमुख तीर्थ-पर्यटन स्थलों से जुड़े 57 गांवों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान की निगरानी के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक–एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक शनिवार कॉलेज विद्यार्थियों, ग्रामवासियों और स्वयंसेवकों की सहभागिता से श्रमदान कराया जा रहा है। इसके तहत घर–घर से कूड़ा संग्रहण, प्लास्टिक कचरे का पृथक्करण और सार्वजनिक स्थलों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जैविक कचरे से कम्पोस्ट तैयार किया जाएगा, जबकि प्लास्टिक अपशिष्ट को पुनर्चक्रण के लिए भेजा जाएगा।

अभियान के तहत ग्रामीणों और व्यापारियों को घरों और प्रतिष्ठानों पर ही प्लास्टिक कचरे का अलग–अलग संग्रह करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। डोर–टू–डोर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के साथ कूड़ेदानों की नियमित सफाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

प्रशासन सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फैलाने वालों के खिलाफ आर्थिक दंड की व्यवस्था लागू करेगा। साथ ही ग्राम पंचायतों में 'प्लास्टिक मुक्त ब्रज' और 'मेरी प्लास्टिक–मेरी जिम्मेदारी' जैसे जागरूकता संदेश प्रदर्शित किए जाएंगे और प्लास्टिक बैंक भी स्थापित किए जाएंगे। डीएम चंद्रपकाश सिंह ने सभी नोडल अधिकारियों को अभियान की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट गूगल फॉर्म के माध्यम से उपलब्ध कराने और शत–प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

23 को मथुरा में होंगे जूनियर बालक फुटबॉल टीम के ट्रायल

यूनिक समय, मथुरा। खेल निदेशालय और उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ के तत्वावधान में एक से आठ अगस्त तक मऊ में प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

प्रतियोगिता के लिए आगरा मंडल की टीम का मंडलीय चयन ट्रायल 26 जुलाई को शाम तीन बजे आगरा में होगा।

इसके लिए मथुरा जिले के खिलाड़ियों का जनपदीय चयन ट्रायल 23 जुलाई को शाम तीन बजे जिला खेल कार्यालय, स्पोर्ट्स स्टेडियम गणेशरा में आयोजित किया जाएगा।

स्वच्छ ब्रज का संदेश लेकर वृंदावन पहुंचेंगे 200 स्वयंसेवक

परिक्रमा मार्ग के दुकानदारों और ब्रजवासियों से करेंगे स्वच्छता की भावनात्मक अपील

19 जुलाई को जनजागरण अभियान में प्रशासन और संत समाज भी रहेगा सहभागी

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से चल रहे 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' महाअभियान के तहत 19 जुलाई को वृंदावन में विशेष जनजागरण कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अभियान में देश के विभिन्न शहरों से हार्टफुलनेस संस्था के करीब 200 स्वयंसेवक भाग लेंगे और स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों और श्रद्धालुओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे।

कार्यक्रम के तहत सुबह 8:30 बजे स्वयंसेवक स्थानीय प्रबुद्धजनों के साथ वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर पहुंचेंगे। वे दुकानदारों, प्रतिष्ठान संचालकों और ब्रजवासियों से संवाद कर अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने, कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने और आने वाले श्रद्धालुओं को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का आग्रह करेंगे। स्वयंसेवक यह संदेश देंगे कि ब्रज केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण की लीलास्थली है, इसलिए इसकी पवित्रता बनाए रखना सभी का दायित्व है।

अभियान के दौरान लोगों से अपने घर, गली, मोहल्ले और परिक्रमा मार्ग को स्वच्छ रखने की अपील की जाएगी। साथ ही श्रद्धालुओं से भी प्लास्टिक का उपयोग कम करने और गंदगी न फैलाने का अनुरोध किया जाएगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कहा कि स्वच्छता तभी जनआंदोलन बनेगी, जब ब्रजवासी स्वयं इसे अपनी जिम्मेदारी और संस्कार के रूप में अपनाएंगे। इस अवसर पर मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, नगर आयुक्त ओजस्वी राज सहित अन्य अधिकारी, संत समाज और गणमान्य नागरिक भी अभियान में भाग लेकर स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त ब्रज का संदेश देंगे।

फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग

फैक्ट्री में लगी आग को बुझाते दमकल कर्मी।

टेक्सटाइल फैक्ट्री से उठती आग की तेज लपटें

लाखों की साड़ियां और कपड़ा और मशीन जली

फायर ब्रिगेड ने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाई

यूनिक समय मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित बाटी रोड के देवीपुरा एक टेक्सटाइल फैक्ट्री में लगी आग से इलाके में हड़कंप मच गया। आग की ऊंची–ऊंची लपटों को देख लोगों में दहशत फैल गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू किया।

बाटी रोड पर देवीपुरा में अखिलेश अग्रवाल की राम रसिया नाम से टेक्सटाइल फैक्ट्री है। बुधवार की सायं काम समाप्त करने के बाद सभी कर्मचारी छुट्टी कर के चले गए। बुधवार प्रातः करीब चार बजे फैक्ट्री से धुआं और आग की ऊंची–ऊंची लपटों को देख कर आस–पास के लोगों में हड़कंप मच गया। फैक्ट्री में लगी आग के बारे में मालिक अखिलेश अग्रवाल को भी बताया गया। इसके साथ ही पुलिस और फायर ब्रिगेड को आग लगने की सूचना दी गई। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की दमकल मौके पर पहुंच गई। कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

फैक्ट्री मालिक ने बताया कि आग से साड़ियों का तैयार स्टॉक, बड़ी मात्रा में रखा कपड़ा, मशीन और अन्य सामान जल गया। आग लगने की वजह प्रथम दृष्टा विद्यतु शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हादसे में लाखों का नुकसान होना बताया गया है। अग्नि शमन अधिकारी अरूण सिंह का कहना है कि आग पर पूरी तरह से कंट्रोल कर लिया गया है। इसके साथ ही आग से हुए नुकसान की जांच की जा रही है।

शिक्षा विरोधी है केद्र सरकार शिक्षा मंत्री दें इस्तीफा

सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की बर्खास्तगी की मांग को लेकर प्रदर्शन कार्यकर्ता।

समता फाउंडेशन ने किया प्रदर्शन, पेपर चौरी पर उठाया सवाल

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को अखिल भारतीय समता फाउंडेशन ने रमेश सैनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कृष्णा नगर बिजली घर से भूतेश्वर तक पर्यावरण विद्- शिक्षा विद् सोनम वांगचुक के समर्थन में जुलूस निकाला। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा की मांग को लेकर कार्यकर्ताओं ने हाथों में केंद्र सरकार विरोधी, शिक्षा मंत्री विरोधी, भ्रष्टाचार विरोधी स्लोगन लिखी पट्टिका लेकर नारे लगाकर विरोध करते हुए प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान रमेश सैनी ने कहा कि भाजपा सरकार में बैठे भ्रष्ट मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के सानिध्य में तमाम परीक्षाओं के पेपर चोरी हुए हैं, लाखों छात्र–छात्राओं का भविष्य और उनके परिवार के सपने चकनाचूर हुए हैं। देश में हताशा- निराशा का माहौल है। जिन छात्रों की जान गई है उनके परिवार को आर्थिक मदद प्रदान की जाए।

लुकेश कुमार राही ने कहा कि संगठन के लोग दिल्ली में चल रही भूख हड़ताल के समर्थन में 20 जुलाई को जंतर मंतर पहुंचकर आंदोलन में सैकड़ो की संख्या में मौजूद रहकर समर्थन करेंगे। प्रदर्शनकरियों ने एकजुट होकर धर्मेंद्र प्रधान की बर्खास्तगी की मांग की। प्रदर्शन के दौरान संजय कुमार बीडीसी, डॉ अरुण कुमार, पल्लवी राही,अंशिका, रमेश सैनी, विशंभर दयाल कर्दम, जितेंद्र कुमार, संदेश कैन, नरेश, सुमित कुमार, राज गब्बर, आकाश बाबू, मनीष कुमार पिप्पल, ई.गौरव कुमार, मनीष कुमार, रंजीत बाटी, आशीर्वाद राही, अभिषेक,सौदान सिंह, विवेक कुमार, विनय सागर,विजेंद्र सिंह बौद्ध,सुखबीर सिंह सैनी आदि मौजूद रहे।

बिजली चोरी पर बड़ी कार्रवाई नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा

छाता, बरसाना और कोसी में चला अभियान, कई जगह अवैध कनेक्शन पकड़ाए

यूनिक समय, मथुरा। बिजली चोरी रोकने और विभाग का राजस्व बढ़ाने के लिए बिजली विभाग के प्रवर्तन दल ने जिले के कई इलाकों में अभियान चलाया। इस दौरान छाता, बरसाना और कोसी क्षेत्र में पांच किलोवाट से अधिक की बिजली चोरी के नौ मामले पकड़े गए। सभी जगह मौके पर वीडियोग्राफी कराई गई।

प्रभारी उपनिरीक्षक अरुण कुमार के नेतृत्व में ग्राम दौताना में कार्रवाई की गई। यहां मुफीद बिना बिजली कनेक्शन के एलटी लाइन से सीधे केबल जोड़कर आरओ प्लांट चलाता मिला। वहीं उमर खान मीटर की केबल काटकर सीधे अपने घर में बिजली का इस्तेमाल करता मिला। दोनों पर मुकदमा दर्ज किया गया।

बरसाना क्षेत्र में चलाए गए अभियान में चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। जितेंद्र कुमार आटा चक्की में अवैध केबल जोड़कर बिजली चलाते मिले। हरिओम ट्यूबवेल के ट्रांसफार्मर से अवैध केबल डालकर व्यावसायिक परिसर में बिजली का उपयोग करते मिले।

वहीं, गोपेश शर्मा मीटर से पहले कट लगाकर होटल में बिजली चोरी करते पकड़े गए। कोसी क्षेत्र के फूलगढ़ी गांव में भी दो लोगों पर कार्रवाई हुई। उदयपाल बिना कनेक्शन के एलटी लाइन से सीधे केबल जोड़कर खेत में लगी 10 एचपी की मोटर चला रहे थे। कुशल भी इसी तरह बिना स्वीकृत कनेक्शन के खेत में मोटर चलाते मिले। बिजली विभाग की टीम ने सभी मामलों की मौके पर वीडियोग्राफी की। इसके बाद सभी आरोपियों के खिलाफ विद्युत अधिनियम की संबंधित धाराओं में विद्युत चोरी निरोधक थाना कृष्णानगर में मुकदमा दर्ज कराया गया।

बालक की मौत के मामले में झोला छाप पर कार्रवाई

झोलाछाप चिकित्सक का क्लीनिक सील

स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सक के खिलाफ कराई पुलिस में रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। मांट थाना क्षेत्र में झोलाछाप डाक्टर की लापरवाही के चलते पांच वर्षीय बालक की हुई मौत मामले में स्वास्थ्य विभाग और पुलिस ने मामले में कार्रवाई की है।

मांट तहसील के ग्राम पंचायत जावरा के मजरा नया नगला निवासी रामोपाल अपने पुत्र पांच वर्षीय निखिल को बुधवार को बुखार का इलाज कराने के लिए मांट कस्बा स्थित निरंजन कुमार विश्वास की क्लीनिक पर ले गया। आरोप है चिकित्सक के इंजेक्शन लगाने के कुछ देर बाद ही बालक की हालत बिगड़ गई। परिवार के लोग उसे दूसरे चिकित्सक के पास ले गए, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने चिकित्सक निरंजन कुमार विश्वास की क्लीनिक को चेक किया, दस्तावेज न मिलने पर क्लीनिक को सील कर दिया। थाना मांट में चिकित्सक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मानसी गंगा इलाके में बिजली के पोल में लगी आग

यूनिक समय, गोवर्धन। मानसी गंगा इलाके में बीती रात एक बिजली के पोल में लगी आग से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिजली विभाग को सूचना दिए जाने के बाद भी कर्मचारी नहीं आए। मानसी गंगा इलाके में एक बिजली के पोल में तारों से तेज चिंगारियां और आग निकलने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग तेजी से बढ़ने लगी। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग को फोन किया, स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी ने फोन भी नहीं उठाया। काफी देर बाद बिजली विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों का कहना है कि 23 से मुड़िया मेला शुरू होने वाला है। बिजली विभाग की अगर इसी तरह की लापरवाही रही तो कहीं कोई बढ़ा हादसा न हो जाए।

विद्युत पोल टूटने से राया की सप्लाई बाधित

यूनिक समय, राया। कस्बा में गुरुवार रात गोंगा मार्ग पोखर के समीप 11 हजार की विद्युत लाइन के दो विधुत पोल यकायक टूटने से राया टाउन की विधुत व्यवस्था चरमरा गयी। इस दौरान भीषण गर्मी में लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ा। विधुत कर्मचारियों ने फाल्ट ठीक कर करीब तीन बजे कस्वे की विधुत सुचारू की। फाल्ट ठीक करने के बाद एक घण्टे बाद अचानक गोंगा मार्ग पोखर के समीप दो विधुत पोल टूटकर पानी मे गिर पड़े। जिसके चलते रेलवे रोड, कटरा बाजार, रेतिया बाजार, मांट रोड, रामलीला मैदान, दयानंद कालोनी और भोलश्वर कालोनी आदि क्षेत्रों की सप्लाई बंद हो गयीं। इस दौरान लोगो के सामने पानी की समस्या हो गई। पानी की टंकियां खाली होने के बाद पानी भरने के लिये हैंडपम्पों में लोगो की भीड़ लग गयी। प्रातः विधुत अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोगों की समस्या को देखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था कर नीमगांव फीडर से लाइन जोड़कर दो–दो घंटे के लिये क्षेत्रो की विद्युत सप्लाई सुचारू की।

उपखण्ड अधिकारी देवेंद्र तिवारी ने बताया विधुत पोल टूटने के कारण देर सायं तक कर्मचारियों द्वारा लाइन दुरुस्त कर सप्लाई सुचारू हो जाएगी। विद्युत टीम में अवर अभियंता सतेंद्र यादव, विकास यादव, गोपाल प्रसाद, लाला, जगवीर सिंह, अनिल रावत और अमर सिंह आदि शामिल थे।

177 ग्राम नशीले पदार्थ के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोविंदनगर पुलिस ने अभियुक्त रामबाबू अर्जुनपुरा गला पातीराम मंडीरामदास को महाविद्या चौराहे के पास शनिदेव मंदिर की ओर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 177 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया है।

मेले से पहले नाला सफाई में लापरवाही, ट्रैक्टर पलटा

खुले नाले की वजह से पलटे ट्रैक्टर का अनाज दूसरे वाहन में भरते मजदूर।

सफाई के बाद नगर पंचायत द्वारा खुले में छोड़ा गया नाला।

यूनिक समय, गोवर्धन। गुरु पूर्णिमा मेले की तैयारियों के बीच नगर पंचायत की नाला सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। डीग अड्डा स्थित खंडेलवाल ब्रदर्स ऑयल पेट्रोल पंप के सामने बड़े नाले की सफाई के दौरान कथित लापरवाही के कारण अनाज से भरा एक ट्रैक्टर नाले में पलट गया, जिससे किसान को आर्थिक नुकसान हुआ और ट्रैक्टर भी क्षतिग्रस्त हो गया।

पेट्रोल पंप स्वामी राहुल खंडेलवाल का आरोप है कि नाले पर रखी भारी

जेसीबी से स्लैब हटाने पर उठे सवाल, किसान को हुआ नुकसान

खुले नालों से श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर मंडराया खतरा

स्लैब को नियमों के अनुसार हाइड्रा मशीन से हटाया जाना चाहिए था, लेकिन सफाई कर्मियों ने जेसीबी से स्लैब हटाकर सफाई कराई। उनका कहना है कि इससे स्लैब के किनारे टूट गए और दोबारा रखने पर वह कमजोर हो गई। इसी कारण बाद में अनाज से भरा ट्रैक्टर स्लैब टूटने से नाले में जा गिरा। उनका यह भी आरोप लगाया कि आसपास के अन्य पेट्रोल पंपों के सामने नालों की स्लैब नहीं हटाई गई, जबकि केवल उनके प्रतिष्ठान के सामने यह कार्रवाई की गई। उन्होंने इसे व्यक्तिगत द्वेष का मामला बताते हुए, मुख्यमंत्री पोर्टल समेत संबंधित अधिकारियों से शिकायत की है।

उन्होंने कहा कि सफाई के बाद कई स्थानों पर नालों को खुला छोड़ दिया गया है। 23 जुलाई से शुरू होने वाले विश्व प्रसिद्ध गुरु पूर्णिमा मेले में हजारों श्रद्धालु गोवर्धन पहुंचेंगे। ऐसे में खुले नाले किसी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने और सभी नालों को सुरक्षित ढंग से ढकने की मांग की है।

बाइक सेवा बनी श्रद्धालुओं की पसंद, युवाओं को मिला नया रोजगार

श्रद्धालुओं के इंतजार में परिक्रमा मार्ग में खड़े बाइक सवार युवक।

यूनिक समय, वृंदावन। धार्मिक नगरी में मंदिरों तक श्रद्धालुओं को पहुंचाने के लिए बाइक सेवा तेजी से लोकप्रिय हो रही है। संकरी गलियों, भीड़भाड़ वाले मार्गों और प्रमुख मंदिरों तक कम समय में पहुंचाने की सुविधा के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु अब इस विकल्प को अपना रहे हैं। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए यह सेवा रोजगार का नया माध्यम बनकर उभरी है।

अब तक श्रद्धालुओं के आवागमन का मुख्य साधन ई-रिक्शा थे, लेकिन बाइक सेवा शुरू होने के बाद परिवहन व्यवस्था में बदलाव दिखाई देने लगा है।

बाइक चालक श्रद्धालुओं को सीधे मंदिरों के निकट तक पहुंचा देते हैं, जिससे समय की बचत होती है। यही कारण है कि विशेष रूप से बुजुर्ग, कम समय में अधिक मंदिरों के दर्शन करने वाले श्रद्धालु और छोटे समूहों में आने वाले यात्री इस सुविधा का अधिक लाभ उठा रहे हैं।

बाइक चालक ई-रिक्शा की तुलना में अधिक किराया लेते हैं, लेकिन तेज और सुविधाजनक यात्रा के कारण लोग इसे स्वीकार कर रहे हैं। स्थानीय युवाओं का कहना है कि इस कार्य से उन्हें प्रतिदिन अच्छी आमदनी होने लगी है। कई युवाओं ने इसे पूर्णकालिक रोजगार

संकरी गलियों में तेज सफर से मंदिर दर्शन हुए आसान

बढ़ी आय, लेकिन ई रिक्शा चालकों के सामने खड़ी हुई नई चुनौती

के रूप में अपनाया है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है। रोहन ने बताया कि यह काम सेवा के साथ रोजगार का माध्यम भी बन रहा है।

हालांकि, बाइक सेवा के बढ़ते चलन से ई-रिक्शा चालकों के सामने प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। उनका कहना है कि पहले की तुलना में सवारियों की संख्या कम हुई है।

वहीं स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि बाइक सेवा का संचालन निर्धारित मार्गों, यातायात नियमों और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए किया जाए तो यह श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक परिवहन व्यवस्था के साथ-साथ युवाओं के लिए स्थायी रोजगार का बेहतर विकल्प भी साबित हो सकती है।

प्रशासनिक निगरानी और स्पष्ट नियमों से इस व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जा सकता है।

गुरु पूर्णिमा मेले में निगरानी के लिए लगे सीसीटीवी कैमरे

नीमगांव तिराहे पर लगाए गए सीसी कैमरे।

नीमगांव तिराहे पर हर गतिविधि पर प्रशासन की रहेगी नजर

यूनिक समय, नीमगांव। 23 जुलाई से शुरू होने वाले गुरु पूर्णिमा मेले को लेकर शासन-प्रशासन तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए गोवर्धन-बरसाना मार्ग स्थित नीमगांव तिराहे पर सीसी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों के माध्यम से मेले के दौरान आने-जाने वाले वाहनों, श्रद्धालुओं और आसपास की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी।

नीमगांव तिराहा मेले की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां राधाकुंड बायपास, गोवर्धन-डीग बायपास और बरसाना-गोवर्धन मुख्य मार्ग एक स्थान पर मिलते हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और वाहनों की आवाजाही रहती है। प्रशासन का मानना है कि सीसी कैमरों से यातायात प्रबंधन के साथ सुरक्षा व्यवस्था भी अधिक प्रभावी होगी।

हालांकि, सुरक्षा तैयारियों के बीच स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। तिराहे से गोवर्धन की ओर मुख्य मार्ग के किनारे कूड़े के ढेर और गोबर के खत्ते पड़े हैं, जिनसे तेज दुर्गंध फैल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि मेले से पहले इनकी सफाई नहीं कराई गई तो पैदल परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा होगी और धार्मिक नगरी की छवि भी प्रभावित होगी। लोगों ने प्रशासन से मेले से पहले स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

गोवर्धन रेलवे स्टेशन मार्ग पर गड्ढों के बीच निकलेंगे श्रद्धालु

यूनिक समय, गोवर्धन। 23 जुलाई से गोवर्धन कस्बे में भव्य गुरु पूर्णिमा मेला प्रारंभ होने जा रहा है। मेले में करोड़ों श्रद्धालु गिर्राज महाराज की परिक्रमा करने आएंगे, जिसमें लाखों श्रद्धालु बसों- निजी वाहनों के माध्यम से गोवर्धन आते हैं तो वहीं दूसरी ओर लाखों श्रद्धालु रेल यात्रा करके गोवर्धन पहुंचते हैं। ऐसे में मेले से पहले गोवर्धन रेलवे स्टेशन के मुख्य मार्ग पर बने गड्ढे और उनमें भरा पानी चिंता का सबब बना हुआ है। चूंकि रेलवे स्टेशन का मार्ग सकरा है, ऐसे में यात्रियों को स्टेशन से गोवर्धन पहुंचाने वाले वाहनों को गड्ढों के बीच से निकलने में परेशानी हो रही है। वहीं दूसरी ओर स्टेशन के मुख्य द्वार पर ई-रिक्शा चालकों द्वारा अतिक्रमण किया हुआ है। ई-रिक्शा चालक सवारी बैठाने के चक्कर में स्टेशन के मुख्य द्वार पर ही ई-रिक्शा खड़े कर देते हैं, जिससे कई बार यात्रियों को स्टेशन से बाहर निकलने में भी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में प्रवेश को आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

यूनिक समय, मथुरा। मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, मेरठ के रजिस्ट्रार के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई से बढ़ाकर 31 जुलाई कर दी गई है। जिला खेल कार्यालय ने जनपद के पात्र खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों और अभिभावकों से कहा कि विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर 31 जुलाई तक अपना ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

651 ग्राम गांजे के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। जैंत पुलिस ने एक अभियुक्त को 651 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मघेरा चौराहे से बाटी जाने वाले मार्ग से अभियुक्त आकाश निवासी राजीव गांधी नगर मंडी गेट के सामने कोतवाली को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 651 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है।

नाम परिवर्तन

मैं रीना भारद्वाज पत्नी भूपेश भारद्वाज नि0-43 चाणक्य भवन लक्ष्मीनगर, कृष्णानगर, मथुरा मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम रीना भारद्वाज (REENA BHARDWAJ) है जो की सत्य है, जबकि मेरे पति के पासपोर्ट में मेरा नाम (BHARDWAJ) के स्थान पर (BHARADWAJ) लिख गया है, जो की गलत है, अब से भविष्य के सभी कामों के लिए मुझे रीना भारद्वाज (REENA BHARDWAJ) के नाम से जाना, पढ़ा एवं लिखा जाये।

नाम परिवर्तन

मैं, नवरतन सिंह मेरा आर्मी नंबर 3177842H रैंक Ex NK (TS) मेरी आर्मी रिकॉर्ड में मेरी पत्नी का नाम गलत तरीके से बिमलेश के रूप में दर्ज है, जबकि सही नाम कमलेश देवी है, अब से मैं अपनी पत्नी का नाम सभी भविष्य के उपयोग के लिए बिमलेश देवी से बदलकर कमलेश देवी करना चाहता हूँ।।

हंसता आईना

लक्ष्य के मुकाबले केवल 62 प्रतिशत क्षेत्र में हुई रोपाई, बारिश का इंतजार

कमजोर मानसून से धान रोपाई पिछड़ी, किसान बढ़ी चिंता में

यूनिक समय, मथुरा। जिले में कमजोर मानसून का असर खरीफ सीजन की सबसे प्रमुख फसल धान पर साफ दिखाई देने लगा है। जून के बाद जुलाई में भी अपेक्षित बारिश नहीं होने से धान की रोपाई की रफ्तार धीमी पड़ गई है। जुलाई माह में 350 मिमी औसत वर्षा के मुकाबले अब तक केवल 79 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।

जिला कृषि विभाग के अनुसार इस वर्ष 1.04 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की रोपाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, लेकिन अब तक करीब 63 हजार हेक्टेयर भूमि पर ही रोपाई हो सकी है। यानी लक्ष्य का लगभग 62 प्रतिशत ही

धान रोपाई करते युवक।

पूरा हुआ है। बारिश की कमी और नहरों में पर्याप्त पानी नहीं होने से किसानों को ट्यूबवेल और डीजल पंप के सहारे खेतों में पानी भरना पड़ रहा है। इससे खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। कई गांवों में किसान फिलहाल धान की रोपाई रोककर अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। परखम निवासी किसान विपिन तिवारी ने बताया कि

ट्यूबवेल और डीजल पंप से सिंचाई महंगी, कृषि विभाग ने जताई वर्षा की उम्मीद

पिछले वर्ष उन्होंने 10 बीघा में धान लगाया था, जबकि इस बार केवल तीन बीघा में ही रोपाई की है। वहीं सायपुर के किसान मनोज कुमार का कहना है कि नर्सरी पूरी तरह तैयार है, लेकिन पर्याप्त बारिश के बिना रोपाई करना जोखिम भरा होगा। डीजल पंप से सिंचाई करने में अधिक खर्च आता है।

जिला कृषि अधिकारी आवेश

एक नजर धान पर
कुल रकबा- 104604
अब तक रोपाई-63809

कुमार ने बताया कि जिले में लक्ष्य के सापेक्ष लगभग 62 प्रतिशत धान की रोपाई पूरी हो चुकी है। यदि अगले दो-तीन दिनों में अच्छी बारिश होती है तो रोपाई में तेजी आएगी। विभाग को उम्मीद है कि 25 जुलाई तक अधिकांश क्षेत्रों में धान की रोपाई का कार्य पूरा हो जाएगा। हालांकि यदि मानसून की बेरुखी जारी रही तो इस बार धान का रकबा लक्ष्य से कम रह सकता है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

मोबाइल फोन की कीमतों में भारी उछाल, ग्राहकों ने बनाई दूरी

एक दुकान में बिक्री के लिए रखे मोबाइल।

सेमीकंडक्टर चिप महंगी होने और वैश्विक संकट का असर बाजार पर

पांच से दस हजार रुपये तक बढ़े दाम, बिक्री में आ गई है सुस्ती

यूनिक समय, मथुरा। इलेक्ट्रॉनिक बाजार में मोबाइल फोन की कीमतों में अचानक आई तेजी ने ग्राहकों और कारोबारियों दोनों की चिंता बढ़ा दी है। सेमीकंडक्टर चिप की महंगाई और वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन प्रभावित होने के कारण स्मार्टफोन पहले की तुलना में पांच से दस हजार रुपये तक महंगे हो गए हैं। इसका असर अब स्थानीय बाजार में भी साफ दिखाई देने लगा है। ग्राहक कम होने से कारोबारी परेशान होने लगे हैं।

मोबाइल कारोबारियों के अनुसार, वर्ष की शुरुआत से ही चिप की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। मोबाइल और एलईडी टीवी बनाने वाली कंपनियों ने उत्पादन लागत बढ़ने का हवाला देते हुए अपने उत्पादों के दाम बढ़ा दिए हैं। पहले जो स्मार्टफोन करीब 10 हजार रुपये में उपलब्ध था, उसकी कीमत अब 14 से 15 हजार रुपये तक पहुंच गई है। वहीं, 12 हजार रुपये से कम कीमत वाले नए स्मार्टफोन बाजार में बेहद कम दिखाई दे रहे हैं। कारोबारियों का मानना है कि यदि सेमीकंडक्टर चिप की आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो आने वाले महीनों में मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है। इसका सबसे अधिक असर बजट वर्ग के उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है, जो अब नया फोन खरीदने के बजाय पुराने मोबाइल से ही काम चला रहे हैं। बढ़ी हुई कीमतों के कारण ग्राहक नया मोबाइल खरीदने से पहले कई बार सोचने को मजबूर हो रहे हैं।

लोकप्रिय माडलों में यह हो गई वृद्धि

वीबो वाई 21- 13-19 हजार
वीबो वाई 400- 28- 32 हजार
ओप्पो ए 6 एक्स- 16- 20 हजार
ओप्पो ए एस- 18- 21 हजार

कारोबारियों की बात

मोबाइल विक्रेता ओमप्रकाश का कहना है कि इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में इस्तेमाल होने वाली अधिकांश सेमीकंडक्टर चिप विदेशों से आयात की जाती हैं। अंतरराष्ट्रीय संघर्ष, युद्ध जैसी परिस्थितियों और वैश्विक सप्लाई चेन में व्यवधान के कारण इनकी उपलब्धता और लागत दोनों प्रभावित हुई हैं। इसका सीधा असर भारतीय बाजार पर पड़ा है।

वहीं, मोबाइल कारोबारी रवि ने बताया कि कीमतें बढ़ने से ग्राहकों की खरीदारी कम हो गई है। कई लोग मोबाइल देखने तो आते हैं, लेकिन नई कीमतें सुनकर खरीदारी टाल देते हैं। स्थित एक मोबाइल शोरूम के सेल्समैन रिशू के अनुसार कंपनियां चरणबद्ध तरीके से दाम बढ़ा रही हैं, जिससे बिक्री लगातार प्रभावित हो रही है।

बिशम्भरा के मुकीम खान ने नीट यूजी में लहराया परचम

564 अंक हासिल कर बनाई ऑल इंडिया रैंक

यूनिक समय, शेरगढ़। क्षेत्र के गांव बिशम्भरा की जिले में अशिक्षिति और अपराध से जुड़ी पहचान थी, लोग गांव का नाम सुनकर मुंह बना लेते थे। पुलिस के निशाने पर पर भी यह गांव रहता है, लेकिन गांव के मुकीम खान ने नीट यूपी 2026 परीक्षा में 720 में से 564 अंक प्राप्त कर जहां शानदार सफलता हासिल की है, वहीं यह बात साबित कर दी है कि हौंसले और हिम्मत से गांव का नाम शिक्षा के क्षेत्र में भी चमकाया जा सकता है।

ऑल इंडिया रैंक हासिल करने वाले मुकीम ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे शेरगढ़ क्षेत्र और जिले का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता से पूरे गांव में खुशी का माहौल है। मुकीम की सफलता की खबर मिलते ही गांव और आसपास के क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने उनका फूल–मालाओं से स्वागत किया और मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया। लोगों ने इसे बिशम्भरा गांव के लिए गर्व का क्षण बताया।

मुकीम के पिता हकीमुद्दीन गांव में कपड़ों की छोटी–सी दुकान चलाकर परिवार का पालन–पोषण करते हैं, जबकि उनके बड़े भाई गांव में एक स्कूल का संचालन कर बच्चों को शिक्षा देने का कार्य कर रहे हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद परिवार ने शिक्षा को सबसे अधिक महत्व दिया। इसी का परिणाम है कि आज मुकीम ने देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में से एक में सफलता हासिल की है। एक समय शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े माने जाने वाले बिशम्भरा गांव की पहचान अब बदल रही है। मुकीम की इस सफलता से इस बदलाव को सुनहरे पर लगेंगे।

एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस बनी मरीजों की जीवन तारणहार

चलती एंबुलेंस में मिलती हैं अस्पताल जैसी सुविधाएं, समय पर पहुंच रहा इलाज

यूनिक समय, मथुरा। जिले में गंभीर बीमार और हादसों में घायल मरीजों के लिए एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस बड़ी राहत साबित हो रही हैं। जिले में संचालित ऐसी पांच एएलएस एंबुलेंस मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने के साथ–साथ रास्ते में भी जरूरी इलाज उपलब्ध करा रही हैं। इन एंबुलेंसों में अस्पताल जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं, जिससे मरीजों को तुरंत चिकित्सा सहायता मिल जाती है।

एएलएस एंबुलेंस में मॉनिटर, वेंटिलेटर, ईसीजी मशीन, ऑक्सीजन, ब्लड प्रेशर मापने की मशीन सहित कई जरूरी उपकरण लगाए गए हैं। यदि मरीज की हालत रास्ते में बिगड़ती है तो एंबुलेंस में मौजूद प्रशिक्षित स्टाफ तुरंत इलाज शुरू कर देता है। इससे मरीज को समय पर राहत मिलती है और उसकी जान बचाने में मदद मिलती है।

नोडल अधिकारी डॉ. गोपाल बाबू गर्ग ने बताया कि जिले में108 आपातकालीन सेवा की 28 एंबुलेंस संचालित हैं। इसके अलावा 102 सेवा की भी 28 एंबुलेंस चल रही हैं। 102 एंबुलेंस मुख्य रूप से गर्भवती महिलाओं, प्रसूताओं और बच्चों को अस्पताल तक सुरक्षित पहुंचाने का काम करती हैं। उन्होंने बताया कि जैसे ही कोई व्यक्ति 108 या 102 नंबर पर कॉल करता है, सूचना मिलते ही सबसे नजदीकी एंबुलेंस तुरंत मौके के लिए रवाना कर दी जाती है। कम समय में मरीज तक पहुंचकर उसे प्राथमिक उपचार दिया जाता है और फिर अस्पताल पहुंचाया जाता है।

नोडल अधिकारी ने बताया कि इन एंबुलेंस सेवाओं का उद्देश्य हर जरूरतमंद को समय पर इलाज उपलब्ध कराना है। आधुनिक सुविधाओं से लैस एएलएस एंबुलेंस और 108 और 102 सेवाओं के कारण जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं पहले से अधिक मजबूत हुई हैं। समय पर इलाज मिलने से कई गंभीर मरीजों की जान बचाई जा रही है।

वृंदावन में चौरासी खंभा श्रद्धालु होंगे मंत्रमुग्ध

यमुना एक्सप्रेस वे से वृंदावन आने वाले मार्ग हैलीपैड के निकट डिवायडर पर खंभों का नजारा।

यूनिक समय, वृंदावन। यमुना एक्सप्रेस वे से वृंदावन आने वाले मार्ग पर हैलीपैड के निकट चौरासी खंभा स्वरुप बनाए खंभे और श्रद्धालुओं को वृंदावन आने का आभास कराएंगे। खंभों पर सबसे ऊपर गाय को बिठाया गया। राधा-कृष्ण और मोर की छवि भी दिखाई दे रही है। रात को विद्युत रोशनी में यह खंभे जब चमकेंगे तो उनका अलग नजारा दिखाई देगा।

यूपी की योगी सरकार की पहल लगाए इन खंभों के दिखाई देने से वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं को एक अलग अनुभूति का अहसास होगा। ऐसा महसूस होगा कि वह अब योगिराज श्रीकृष्ण की क्रीड़ा स्थली में प्रवेश कर चुके हैं।

सरकार ने प्रयागराज की तर्ज पर वृंदावन के प्रवेश मार्ग पर चौरासी खंभा लगवाए हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह में प्रवेश को आवेदन शुरू

यूनिक समय, मथुरा। सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने बताया कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत नवोदय विद्यालय समिति ने सात जुलाई 2026 को अधिसूचना जारी कर शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह प्रवेश हके लिएआवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस प्रवेश परीक्षा के लिए वर्तमान में कक्षा–5 में अध्ययनरत छात्र–छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। चयनित विद्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय में निःशुल्क शिक्षा, आवास, भोजन और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सीडीओ ने बताया कि जनपद की सभी ग्राम पंचायतों के प्रधानों से कहा गया है कि वे अपने क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले पात्र,प्रतिभावान छात्र–छात्राओं के अधिक से अधिक आवेदन कराएं, ताकि ग्रामीण और वंचित परिवारों के बच्चों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल सके।

हत्या के प्रयास में आरोपित की जमानत निरस्त

यूनिक समय, मथुरा। अपर जिला एंव सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने हत्या के प्रयास के मामले के अभियुक्त की जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करने के बाद उसे निरस्त कर दिया। डीजीसी शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि थाना वृंदावन क्षेत्र में अभियुक्त प्रेम किशोर उर्फ छोटे ने अपने साथियों के साथ लाठी, डंडा,सरिया, हथौड़ा, बांक और चाकू लेकर जान से मारने की नीयत से राकेश गौतम और दमन गौतम पर हमला कर दिया। हमलावरों ने दोनों को मारपीट कर बुरी तरह से घायल कर दिया था। इस मामले में प्रेम किशोर उर्फ छोटे जेल में है। अभियुक्त ने अपनी जमानत के लिए अधिवक्ता के माध्यम से जिला एंव सत्र न्यायाधीश की अदालत में प्रार्थना पत्र दिया था। प्रार्थना पर जिला जज ने सुनवाई करते हुए जमानत प्रार्थना पत्र को निरस्त कर दिया।

आईडीए मथुरा ब्रांच का गठन, दंत चिकित्सा शिक्षा के उन्नयन में मिलेगी मदद

नए अनुसंधान और बेहतर मौखिक स्वास्थ्य नतीजों पर दिया जाएगा ध्यान

शुभारंभ अवसर पर अतिथियों के साथ इंडियन डेंटल एसोसिएशन मथुरा ब्रांच के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। दंत चिकित्सा क्षेत्र में पेशेवर विकास, नैतिक कार्यप्रणाली, चिकित्सकों के बीच एकता और सामुदायिक सेवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) मथुरा ब्रांच का भव्य शुभारंभ हुआ। नई ब्रांच का उद्देश्य धार्मिक नगरी मथुरा में मौखिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना, नए अनुसंधान और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना है।

शुभारंभ समारोह में आईडीए मुख्यालय मुंबई के प्रेसिडेंट डॉ. मनोज श्रीवास्तव, ऑनरेरी सेक्रेटरी जनरल डॉ. अशोक धोबले, पूर्व प्रेसिडेंट डॉ. राजीव चुघ, सीनियर मैनेजर नितांत सिंह, आईडीए उत्तर प्रदेश ब्रांच के प्रेसिडेंट डॉ. संदीप शुक्ला, सेक्रेटरी डॉ. सचिन प्रकाश, ट्रेजरर डॉ. आशुतोष सिंह, केडी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी और के.डी. डेंटल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। आईडीए मथुरा ब्रांच के गठन में केडी विश्वविद्यालय के प्रो–चांसलर मनोज अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, डॉ. सिद्धार्थ सिसोदिया, डॉ. अजय नागपाल और डॉ. अनुज गौर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समारोह में नवनियुक्त प्रेसिडेंट डॉ. अजय नागपाल को आईडीए मुख्यालय मुंबई के प्रेसिडेंट डॉ. मनोज श्रीवास्तव ने प्रेसिडेंशियल मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

आईडीए पदाधिकारियों ने सभी 15 नवनियुक्त पदाधिकारियों को बैज लगाकर सम्मानित किया। इनमें प्रेसिडेंट डॉ. अजय नागपाल, प्रेसिडेंट इलेक्ट डॉ. शैलेंद्र चौहान, ऑनरेरी सेक्रेटरी डॉ. सिद्धार्थ सिसोदिया, वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सोनल गुप्ता और डॉ. धीरज सिंघल, ट्रेजरर डॉ. अनुज गौर और एडीटर डॉ. सुषमा शामिल हैं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि आईडीए देश में दंत चिकित्सकों की प्रमुख संस्था है, जो मौखिक स्वास्थ्य मानकों में सुधार, दंत शिक्षा को मजबूत करने और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं को बढ़ावा देने का काम करती है। नवनिर्वाचित प्रेसिडेंट डॉ. अजय नागपाल ने कहा कि वह मिली जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगे। डॉ. अशोक धोबले और अन्य पदाधिकारियों ने आगामी वर्ल्ड डेंटल कॉन्फ्रेंस की आधिकारिक शुरुआत भी की। समापन मानद सचिव डॉ. सिद्धार्थ सिसोदिया के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

ई-रिक्शा और टेंपो संचालन पर संत समाज नाराज,आंदोलन की चेतावनी

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन-छटीकरा मार्ग स्थित हनुमान टेकरी आश्रम में शुक्रवार को नगर के प्रमुख संतों की बैठक हुई। बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था, ई-रिक्शा और टेंपो संचालन से जुड़ी समस्याओं और श्रद्धालुओं को होने वाली असुविधाओं पर चर्चा की गई। संतों ने प्रशासन से व्यवस्था में शीघ्र सुधार की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो संत समाज आंदोलन का रास्ता अपनाने पर विचार करेगा।

बैठक की अध्यक्षता हनुमान टेकरी

हनुमान टेकरी आश्रम में हुई बैठक, यातायात व्यवस्था सुधारने की उठी मांग

आश्रम के अधिकारी महंत दशरथ दास ने करते हुए कहा कि वृंदावन विश्वभर के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, लेकिन प्रमुख मार्गों पर बढ़ते जाम और अव्यवस्थित यातायात से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छटीकरा मार्ग, अटल्ला चुंगी और परिक्रमा मार्ग जैसे क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने की आवश्यकता है।

महंत मोहिनी बिहारी शरण ने भी प्रशासन से यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। बैठक में संतों ने कहा कि यदि समय रहते स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो संत समाज व्यापक जनजागरण और आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेगा।

बैठक में शामिल अन्य वरिष्ठ संतों ने का कहना था कि नगर में क्षमता से कई गुना अधिक ई-रिक्शा और टेंपो दौड़ रहे हैं। इनमें से अधिकांश चालकों के पास न तो वैध ड्राइविंग लाइसेंस है और न ही वाहनों के कागजात। कई नाबालिग और बाहरी तत्व भी बिना किसी सत्यापन के रिक्शा चला रहे हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े होते हैं। बैठक में रामदास, नृसिंह दास, माधव दास, श्याम दास, मोहन दास, आरएस शर्मा, सुदामा दास, राधा रमण दास, रघुवीर दास, रामानुग्रह दास, रविकिशन दास, सुधीर दास, भगवान दास आदि मौजूद रहे।

स्वच्छता व्यवस्था मजबूत बनाने पर नगर आयुक्त ने की बैठक

यूनिक समय, मथुरा। नगर की स्वच्छता व्यवस्था को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाने के लिए नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने सफाई मजदूर संघ के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में सफाई कार्यों में बेहतर समन्वय, समयबद्ध निष्पादन और नागरिकों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई।

नगर आयुक्त ने सफाई कर्मियों से अनुशासन, जिम्मेदारी और पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सफाई कर्मचारियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। सफाई मजदूर संघ के प्रतिनिधियों ने नगर आयुक्त को भरोसा दिलाया कि वे नगर की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए पूरा सहयोग देंगे, अपने दायित्वों का ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे।

बैठक में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, सफाई मजदूर संघ के अध्यक्ष महेश काजू, उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर एकता मंच के उत्तम चंद सजना, महानगर अध्यक्ष प्रीतम सिंह, वृंदावन इकाई के संजय चौहान, ड्राइवर यूनियन के राजवीर सिंह सहित अन्य पदाधिकारी और सफाई कर्मी उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन में एसएसपी ने चलाया स्वच्छता अभियान

पुलिस लाइन में स्वच्छता अभियान के दौरान कचरा एकत्र करते एसएसपी श्लोक कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी ने स्वच्छता अभियान के तहत शुक्रवार को पुलिस लाइन और परेड ग्राउंड में अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सफाई आदि के लिए श्रमदान किया।

स्वच्छता अभियन के दौरान एसएसपी श्लोक कुमार ने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ पुलिस लाइन का निरीक्षण किया और वहां सफाई आदि के लिए सब के साथ मिलकर सफाई का कार्य को अंजाम दिया। उन्होंने कहा कि परिसर को स्वच्छ सुंदर स्वरूप प्रदान करने के लिए सफाई अति महत्वपूर्ण है। इसके लिए सभी को आगे आकर स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। अपने परिसर को साफ रखने की आदत हर किसी को डालनी चाहिए।

चाकूधारी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने अभियुक्त लालू गोस्वामी उर्फ मुंशी निवासी जोगी गली होली गेट थाना कोतवाली को कांच मंदिर वाली गली के मोड़ से गिरफ्तार किया है। पुलिस को तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध चाकू भी बरामद हुआ है।

सीडीओ ने गोवर्धन ब्लॉक का किया निरीक्षण, अभिलेख खंगाले

यूनिक समय, मथुरा। सरकारी कामकाज की हकीकत जानने के लिए सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने शुक्रवार को गोवर्धन विकास खंड कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय के अभिलेखों की जांच की और कर्मचारियों की उपस्थिति भी देखी। जांच में सभी कर्मचारी मौजूद मिले, जबकि कार्यालय की साफ-सफाई और व्यवस्थाएं भी संतोषजनक नहीं पाई गईं। डॉ. पूजा गुप्ता ने कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाएं, जीपीएफ पासबुक, जीपीएफ लेजर, ग्रांट रजिस्टर आईजीआरएस, पीजी पोर्टल, जनसुनवाई और आरटीआई रजिस्टर का निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी

कार्यालय की साफ-सफाई और व्यवस्था नहीं मिली ठीक

देते हुए कहा कि सभी रिकॉर्ड समय पर अपडेट रखें और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। सीडीओ ने बीडीओ गिरीश पंत को निर्देश दिए कि कार्यालय के सभी अभिलेखों की नियमित जांच करते रहें, रिकॉर्ड पूरी तरह अपडेट रखें और शासन की योजनाओं से जुड़े कार्यों का समय पर निस्तारण किया जाना चाहिए। किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नीट में एम्प्राइज एकेडमी के विद्यार्थियों ने लहराया सफलता का परचम

यूनिक समय,मथुरा। भतेश्वर रोड स्थित एम्प्राइज एकेडमी के विद्यार्थियों ने नीट (यूजी)-2026 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर संस्थान का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धियों से संस्थान में खुशी की लहर दौड़ गई। सफल छात्र-छात्राओं का माला पहनाकर- मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया।

संस्थान के निदेशक सुशील डागुर ने बताया कि इस वर्ष एम्प्राइज एकेडमी के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट रैंक प्राप्त की हैं। एकेडमी पिछले 15 वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित वातावरण और परिणामोन्मुखी शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। भानु प्रताप तोमर ओबीसी श्रेणी में अखिल भारतीय रैंक 1794 और श्रेया अग्रवाल को मिली 8570 रैंक,अश्वनी को 16734, सृष्टि सारस्वत को 18162 रैंक हासिल की। वहीं श्रेया यादव को 16937 रैंक मिली और खुशी को 3480 रैंक मिली। विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए इस सफलता का जश्न मनाया। सफल विद्यार्थियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय निरंतर कठिन परिश्रम, अनुशासित अध्ययन, नियमित अभ्यास और आत्मविश्वास को दिया। उन्होंने कहा कि एम्प्राइज एकेडमी की अनुभवी- सहयोगी फैकल्टी, उच्च गुणवत्ता वाले अध्ययन सामग्री, नियमित टेस्ट सीरीज़, समय-समय पर आयोजित डाउट सेशन और व्यक्तिगत मार्गदर्शन ने बेहतर रैंक प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यमुना पुल से युवक ने यमुना में लगाई छलांग

यूनिक समय, मथुरा। यमुना पुल से यमुना में छलांग लगाने वाले युवक का शव पुलिस ने बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, एक युवक ने शुक्रवार को यमुना पुल से यमुना में छलांग लगा ली। लोगों ने युवक को यमुना में कूदते देख शोर किया और पुल पर काफी संख्या में लोग यमुना में कूदे युवक को देखने लगे। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। इस दौरान युवक पानी में डूब चुका था।

काफी प्रयास के बाद युवक का शव मिला

पुलिस ने गोताखोरों की सहायता से यमुना में डूबे युवक की तलाश कराई। बताया गया कि युवक का शव यमुना से बरामद हो गया है। पुलिस शव की शिनाख्त कराने के प्रयास कर रही है। शव को पुलिस ने मोरचरी में रखवा दिया है।

जंक्शन पर बंदरों का आतंक, यात्री परेशान

प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर बच्चे को काटा, डर के बीच ट्रेन का इंतजार करने को मजबूर हो रहे यात्री

थुरा जंक्शन के प्लेट फार्म नंबर एक पर मां- बेटा पर हमला करते बंदर ।

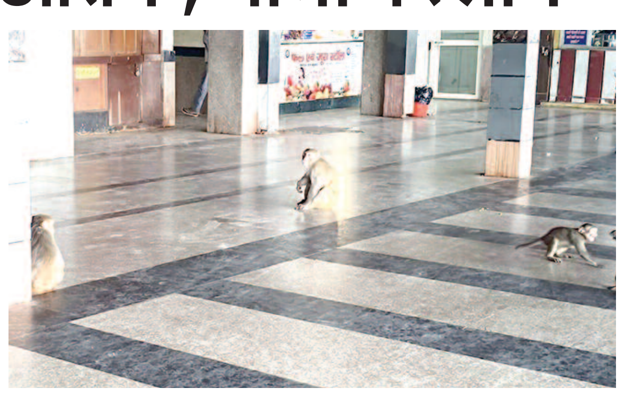

मथुरा जंक्शन प्लेटफार्म एक पर धमाचौकड़ी मचाते बंदर।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन पर बंदरों का आतंक अब सिर तक बढ़ता जा रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी प्लेटफॉर्म नंबर-एक और दो पर है। यहां बंदरों के डर से यात्री आराम से बैठकर ट्रेन का इंतजार भी नहीं कर पा रहे हैं। शुक्रवार को एक बंदर ने प्लेटफॉर्म पर मौजूद एक बच्चे को काट लिया, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद यात्री डर गए। यात्रियों का कहना है कि अगर जल्द व्यवस्था नहीं की गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

यात्रियों का कहना है कि प्लेटफॉर्म पर बंदरों के झुंड हर समय घूमते रहते हैं। जैसे ही कोई यात्री खाने-पीने का सामान निकालता है, बंदर उस पर झपट पड़ते हैं और सामान छीनकर भाग जाते हैं। कई बार सामान बचाने की कोशिश में यात्री चुटैल भी जाते हैं। इसलिए अब लोग प्लेटफॉर्म पर खाना खाने से भी डरने लगे हैं। बंदरों के डर से सबसे ज्यादा परेशानी छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को हो रही है। कई परिवार अपने बच्चों को गोद में लेकर बैठे रहते हैं। कुछ यात्री तो प्लेटफॉर्म पर बैठने की बजाय खड़े होकर ही ट्रेन का इंतजार करते हैं। हर समय यह डर बना रहता है कि कहीं बंदर अचानक हमला न कर दें।

दिल्ली जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे कृष्णापुरी के गौरव का कहना है कि मथुरा जंक्शन देश के बड़े रेलवे स्टेशनों में से एक है। यहां हर दिन हजारों यात्री और श्रद्धालु आते हैं। इसके बावजूद बंदरों की समस्या लगातार बढ़ रही है। बंदर केवल प्लेटफॉर्म पर ही नहीं, बल्कि फुटओवर ब्रिज, प्रतीक्षालय और स्टेशन परिसर में भी घूमते रहते हैं। कई बार वे यात्रियों के बैग और दूसरे सामान भी छीन लेते हैं। मथुरा जंक्शन पर बंदरों का बढ़ता आतंक अब यात्रियों की सुरक्षा का बड़ा सवाल बन गया है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

एनसीसी ने पहली बार आयोजित किया पूर्व छात्र मिलन समारोह

छात्र मिलन समारोह में मौजूद 11 यूपी बटालियन एनसीसी के अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। ओडी कॉम्प्लेक्स में आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 44 के दौरान 11 यूपी बटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर ने पहली बार पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व कमांडिंग अधिकारी कर्नल विक्रांत त्यागी सेना पदक ने किया। समारोह में 43 पूर्व कैडेटों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया, जबकि 136 पूर्व कैडेटों ने अन्य व्यस्तताओं के कारण उपस्थित न हो पाने की सूचना देते हुए भविष्य में ऐसे आयोजनों में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान पूर्व कैडेटों ने अपने प्रशिक्षण काल के अनुभव साझा किए, और वर्तमान प्रशिक्षण व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी कर्नल अजय, शिविर सहायक अधिकारी कैप्टन नूतन कुमार, एनसीसी अधिकारी विशंभर दयाल, लेफ्टिनेंट डॉ. कपिल कौशिक, कैप्टन गोविंद शर्मा, लेफ्टिनेंट अभिषेक सोलंकी, डॉ. हीरालाल, राजविंदर सिंह, सुखविंदर सिंह, जसविंदर सिंह, धर्मेंद्र सिंह, साहब सिंह सहित बटालियन का समस्त नागरिक स्टाफ और स्थायी प्रशिक्षण स्टाफ उपस्थित रहा।

सुविचार

सपनों को सच करने के लिए निरंतर मेहनत जरूरी है।

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी 04:43-03:43 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	पूर्व फाल्गुनी 06:34-06:00 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय	5:39 AM	चन्द्रोदय	09:33 AM
सूर्यास्त	7:11 PM	चंद्रास्त	10:06 PM
सूर्य राशि	कर्क राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त	11:49AM – 12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	09:02 AM: 10:44 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

■ श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।

■ श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।

■ श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।

■ द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः मेष राशि वालों के लिए कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और नए अवसर आएंगे। परिवार में प्रेम बढ़ेगा।

वृषभः वृषभ राशि वालों को आज धैर्य रखना होगा। निवेश में लाभ मिलेगा और पारिवारिक संबंध मधुर होंगे।

मिथुनः मिथुन राशि वालों के लिए आज संवाद से लाभ मिलेगा। काम में प्रगति होगी और पुराने विवाद शांत होंगे। धन आगमन बढ़ेगा।

कर्कः कर्क राशि वालों को आज भावनाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए। नौकरी में बदलाव के संकेत हैं और परिवार का सहयोग मिलेगा भरपूर।

सिंहः सिंह राशि वालों के लिए आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण फैसलों में सफलता मिलेगी और व्यापार में लाभ के अवसर बनेंगे नए भी।

कन्याः कन्या राशि वालों को आज मेहनत का फल मिलेगा। योजनाएं सफल होंगी और आर्थिक मामलों में सावधानी रखना लाभदायक रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुलाः तुला राशि वालों के लिए कल रिश्तों में मधुरता आएगी। कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलेगा और नई जिम्मेदारियां आपको आगे बढ़ाएंगी सफलता।

वृश्चिकः वृश्चिक राशि वालों को आज संयम से काम लेना चाहिए। धन संबंधी मामलों में सुधार होगा और रुके कार्य पूरे होंगे जल्द।

धनुः धनु राशि वालों के लिए कल यात्रा के योग बनेंगे। नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा और करियर में प्रगति के संकेत मिलेंगे।

मकरः मकर राशि वालों को कल मेहनत पर भरोसा रखना होगा। परिवार में खुशी रहेगी और व्यापार में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे आज।

कुंभः कुंभ राशि वालों के लिए कल रचनात्मक कार्य सफल होंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मीनः मीन राशि वालों के लिए आज सकारात्मक सोच लाभ देगी। आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी और पारिवारिक जीवन में सुख शांति बनी रहेगी।

लड्डू गोपाल को रोज मक्खन भोग जरूरी नहीं

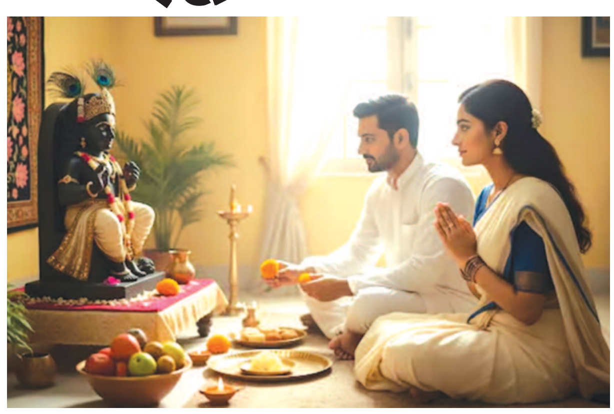

धार्मिक मान्यताओं में भावना को दिया गया महत्व

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण का नाम आते ही बांसुरी, मोरपंख और मक्खन की छवि मन में उभर आती है। बचपन से ही कृष्ण जी की माखन चोरी की कथाएं सुनते आए हैं। इसी कारण कई भक्तों के मन में यह सवाल रहता है कि क्या लड्डू गोपाल को रोज मक्खन का भोग नहीं लगाने से भगवान नाराज हो जाते हैं?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण अपने भक्तों की भावना और श्रद्धा को सबसे अधिक महत्व देते हैं। ऐसा कोई कठोर नियम नहीं बताया गया है कि श्रीकृष्ण को प्रतिदिन केवल मक्खन का ही भोग लगाया जाए। मक्खन और मिश्री भगवान के बाल स्वरुप से जुड़े होने के कारण विशेष प्रिय माने जाते हैं, लेकिन भक्ति में प्रेम और पवित्र मन को सबसे बड़ा स्थान दिया गया है।

यदि किसी दिन घर में मक्खन उपलब्ध न हो या किसी कारण से भोग न लगाया जा सके, तो फल, दूध, दही, मिश्री, खीर, पंजीरी या सात्विक भोजन भी भगवान को अर्पित किया जा सकता है। श्रद्धा से चढ़ाया गया साधारण भोग भी धार्मिक मान्यताओं में स्वीकार्य माना गया है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मक्खन-मिश्री का भोग जन्माष्टमी, बुधवार या विशेष पूजा अवसरों पर लगाने की परंपरा कई घरों में देखने को मिलती है। भक्त मानते हैं कि इससे घर में सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। हालांकि इसे रोज करना अनिवार्य नहीं माना गया है। लड्डू गोपाल की सेवा करने वाले भक्त मौसम और सुविधा के अनुसार अलग-अलग भोग अर्पित कर सकते हैं। गर्मियों में दूध, फल और ठंडी चीजों का भोग तथा सर्दियों में हलवा, पंजीरी और मेवे चढ़ाने की परंपरा भी प्रचलित है।

पूजा के दौरान भोग साफ बर्तन में रखना, पहले भगवान को अर्पित करना और फिर प्रसाद के रूप में ग्रहण करना शुभ माना जाता है। कई परिवारों में रोज मक्खन चढ़ाने की परंपरा है, जबकि कुछ लोग केवल विशेष दिनों पर यह भोग लगाते हैं। धार्मिक दृष्टि से भगवान श्रीकृष्ण को भोग की वस्तु से ज्यादा भक्त का प्रेम और विश्वास प्रिय माना गया है। इसलिए मक्खन न चढ़ा पाने पर चिंता करने की जरूरत नहीं, सच्ची श्रद्धा ही सबसे बड़ा भोग है।

भाई-बहन के प्रेम का पर्व रक्षाबंधन 28 अगस्त को मनाया जाएगा

यूनिक समय, मथुरा। रक्षा बंधन का त्योहार भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। हर साल यह पर्व श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। वहीं भाई भी बहनों की रक्षा का वचन देते हैं।

पंचांग के अनुसार वर्ष 2026 में श्रावण पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त की सुबह 9 बजकर 8 मिनट से शुरू होकर 28 अगस्त की सुबह 9 बजकर 48 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर रक्षा बंधन का पर्व 28 अगस्त 2026 को मनाया जाएगा।

इस दिन राखी बांधने का शुभ समय सुबह 5 बजकर 57 मिनट से 9 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। धार्मिक

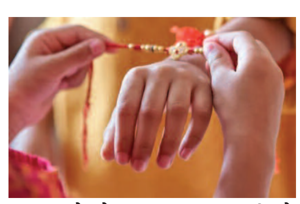

मान्यताओं के अनुसार इस अवधि में बहनें शुभ मुहूर्त में भाई की कलाई पर राखी बांध सकती हैं। इस बार रक्षा बंधन के दिन भद्रा का प्रभाव नहीं रहेगा, क्योंकि भद्रा सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जाएगी।

राखी बांधने के साथ कई हैं शुभ मुहूर्त

रक्षा बंधन के दिन कई शुभ मुहूर्त भी रहेंगे। ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:28 से 5:12 बजे तक रहेगा। वहीं अभिजित मुहूर्त दोपहर 11:56 से 12:48 बजे तक रहेगा। इसके अलावा विजय मुहूर्त दोपहर 2:31 से 3:22 बजे तक और गोधूलि मुहूर्त शाम 6:47 से 7:10 बजे तक रहेगा। इस दिन वरलक्ष्मी व्रत, गायत्री जयंती, नारली पूर्णिमा और संस्कृत दिवस जैसे पर्व भी मनाए जाएंगे। धार्मिक दृष्टि से यह दिन विशेष महत्व रखता है।

चंद्र ग्रहण का नहीं पड़ेगा कोई प्रभाव

रक्षा बंधन 2026 पर चंद्र ग्रहण भी लगेगा। पंचांग के अनुसार ग्रहण सुबह 6:55 से दोपहर 12:30 बजे तक रहेगा, लेकिन यह भारत में दिखाई नहीं देगा। इसलिए इसका राखी के त्योहार पर कोई प्रभाव नहीं माना जाएगा। भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करने वाला यह पर्व श्रद्धा, प्रेम और शुभकामनाओं के साथ मनाया जाएगा।

अलमारी में बिखरे कपड़े बढ़ा सकते हैं नकारात्मकता

यूनिक समय, मथुरा। घर की अलमारी में कपड़े रखने का तरीका भी वास्तु और ज्योतिष की मान्यताओं में महत्वपूर्ण माना गया है। कई लोग पुराने, फटे या लंबे समय से इस्तेमाल न किए गए कपड़ों को अलमारी में जमा करके रखते हैं। मान्यता है कि इस तरह बेतरतीब रखे कपड़े घर की सकारात्मक ऊर्जा को प्रभावित कर सकते हैं और नकारात्मकता बढ़ा सकते हैं।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार अलमारी में गंदे और अव्यवस्थित कपड़े रखने से राहु ग्रह का प्रभाव अशांत हो सकता है। राहु को भ्रम और नकारात्मक ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है। इसलिए कपड़ों को हमेशा साफ, व्यवस्थित और सही तरीके से रखने की सलाह दी जाती है।

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार समय-समय पर अलमारी की सफाई करते

सकारात्मक ऊर्जा पुराने कपड़ों के साथ इन बातों का रखें ध्यान

रहना चाहिए। हर कुछ महीनों में उन कपड़ों की जांच करनी चाहिए, जिनका लंबे समय से उपयोग नहीं किया गया है। अच्छे और पहनने योग्य पुराने कपड़े जरूरतमंद लोगों को दान किए जा सकते हैं, जबकि खराब और फटे कपड़ों को घर में जमा करके नहीं रखना चाहिए। कई दिनों तक गंदे तौलिये, चादर या बिस्तर का इस्तेमाल करना भी शुभ नहीं माना जाता। घर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए कपड़ों के साथ-साथ इन चीजों की सफाई भी जरूरी मानी गई है। अलमारी में कपड़ों को तह लगाकर रखना और उन्हें व्यवस्थित रखना शुभ माना जाता है।

गुप्त नवरात्रि में सर्वार्थ सिद्धि योग,पांच राशियों पर होगी मां की विशेष कृपा

यूनिक समय, मथुरा। गुप्त नवरात्रि 2026 इस बार कई दुर्लभ और शुभ ज्योतिषीय संयोगों के साथ मनाई जा रही है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, 15 जुलाई से शुरू हुई गुप्त नवरात्रि का आरंभ पुष्य नक्षत्र में होने से इसका धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व कई गुना बढ़ गया है। इसके साथ ही 19 जुलाई को बनने वाला सर्वार्थ सिद्धि योग इस नवरात्रि को और अधिक फलदायी बना रहा है।

मान्यता है कि इस अवधि में श्रद्धा और विधि-विधान से मां दुर्गा की उपासना करने पर साधकों को विशेष पुण्य और शुभ फल की प्राप्ति होती है।

ज्योतिषाचार्य पं. अजय कुमार तैलंग के अनुसार, इस बार मेष, कन्या, तुला, वृश्चिक और मीन राशि के

जातकों के लिए विशेष शुभ योग बन रहे हैं। इन राशियों के लोगों के रुके हुए कार्य पूरे होने, आर्थिक स्थिति में सुधार आने और करियर तथा व्यवसाय में नए अवसर मिलने की संभावना है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को भी सकारात्मक समाचार मिल सकते हैं। हालांकि, ज्योतिषीय फल व्यक्ति की कुंडली और ग्रहों की स्थिति के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में पुष्य नक्षत्र को सबसे शुभ नक्षत्रों में गिना जाता है। मान्यता है कि इस नक्षत्र में किए गए पूजा-पाठ, मंत्र जाप, साधना और

पुष्य नक्षत्र में शुरू हुई शुभ गुप्त नवरात्रि

सर्वार्थ सिद्धि योग से चमकेगा पांच राशियों का भाग्य

धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष फल प्राप्त होता है। यही कारण है कि इस वर्ष की गुप्त नवरात्रि को साधना और देवी उपासना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इसके अलावा, 19 जुलाई को बनने वाला सर्वार्थ सिद्धि योग भी विशेष महत्व रखता है। यह योग सूर्योदय से शुरू होकर अगले दिन सूर्योदय तक प्रभावी रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस अवधि में नए कार्यों की शुरुआत, निवेश, पूजा-अर्चना, मंत्र सिद्धि और शुभ संकल्प करना लाभकारी माना जाता है।

ज्योतिषाचार्य श्रद्धालुओं को गुप्त नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा, दुर्गा सप्तशती का पाठ, मंत्र जाप और सात्विक जीवनचर्या अपनाने की सलाह देते हैं। मान्यता है कि श्रद्धा और नियमपूर्वक की गई उपासना से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं तथा सुख, समृद्धि और मानसिक शांति का आशीर्वाद प्राप्त होता है। गुप्त नवरात्रि का यह पावन पर्व आध्यात्मिक साधना के साथ आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने का भी विशेष अवसर माना जाता है।

सम्पादकीय

अच्छी सड़कों से पहले अच्छे चालक तैयार करना जरूरी

बेहतर सड़कें, आधुनिक हाईवे और मजबूत सुरक्षा इंतजाम निश्चित रूप से सड़क दुर्घटनाओं को कम कर सकते हैं, लेकिन केवल अच्छी सड़कें ही सुरक्षित यात्रा की गारंटी नहीं देतीं। सड़क पर सबसे महत्वपूर्ण भूमिका उस व्यक्ति की होती है, जिसके हाथ में वाहन का स्टीयरिंग है। यदि चालक नियमों का सम्मान नहीं करेगा, तो सबसे आधुनिक सड़क भी दुर्घटना को नहीं रोक पाएगी। इसलिए अब समय आ गया है कि सड़क सुरक्षा की चर्चा केवल सड़क निर्माण तक सीमित न रहकर चालक की जिम्मेदारी और प्रशिक्षण पर भी केंद्रित हो।

पवन गौतम
संपादक

भारत में रोजमर्रा की ड्राइविंग का दृश्य अक्सर चिंता पैदा करता है। बिना इंडिकेटर लेन बदलना, गलत दिशा से वाहन चलाना, ओवरस्पीडिंग, मोबाइल पर बात करते हुए ड्राइविंग करना, हाई बीम का अनावश्यक इस्तेमाल और ट्रैफिक सिग्नल की अनदेखी अब सामान्य व्यवहार बन चुके हैं। यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन के साथ जोखिम भरा खिलवाड़ भी है।

सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश हादसे सड़क की खराब स्थिति से नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही से होते हैं। तेज रफ्तार, गलत ओवरटेकिंग और अनुशासनहीन ड्राइविंग हर वर्ष हजारों परिवारों की खुशियां छीन लेती हैं। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या ड्राइविंग लाइसेंस केवल वाहन चलाने की अनुमति है या सुरक्षित और जिम्मेदार चालक होने का प्रमाण भी? असल समस्या यह है कि हमारे यहां ड्राइविंग सीखने का मतलब अक्सर केवल गाड़ी चलाना सीखना माना जाता है। जबकि सुरक्षित ड्राइविंग का अर्थ है धैर्य, अनुशासन, सही निर्णय क्षमता और दूसरों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील होना। सड़क पर हर चालक की एक छोटी-सी गलती किसी निर्दोष व्यक्ति की जान ले सकती है। इसलिए ड्राइविंग को केवल तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

अब आवश्यकता है कि लाइसेंस प्रक्रिया को अधिक कठोर और व्यावहारिक बनाया जाए। सड़क सुरक्षा शिक्षा को स्कूलों और ड्राइविंग प्रशिक्षण संस्थानों का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए तथा नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

आखिरकार, सुरक्षित भारत का रास्ता केवल चौड़ी सड़कों से नहीं, बल्कि जिम्मेदार चालकों से होकर गुजरता है। जब सड़क पर चलने वाला हर व्यक्ति नियमों को अपनी जिम्मेदारी समझेगा, तभी दुर्घटनाओं में वास्तविक कमी आएगी और सफर सचमुच सुरक्षित बन सकेगा।

नजरिया

परमाणु संयंत्र डेटा लीक ने बढ़ाई राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा चिंता

बोध प्रकाश सगुणी

भारत आज तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। सरकारी सेवाओं से लेकर बैंकिंग, स्वास्थ्य, परिवहन, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्र तक लगभग हर व्यवस्था सूचना प्रौद्योगिकी पर निर्भर हो चुकी है। ऐसे समय में तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना से जुड़े कथित गोपनीय दस्तावेजों के लीक होने की खबर ने राष्ट्रीय सुरक्षा और साइबर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यद्यपि अब तक यह प्रमाणित नहीं हुआ है कि परमाणु संयंत्र की परिचालन प्रणाली या रिएक्टर की सुरक्षा से कोई समझौता हुआ है, फिर भी संवेदनशील तकनीकी दस्तावेजों के डार्क वेब तक पहुंचने का दावा अपने आप में चिंता का विषय है। यह घटना बताती है कि डिजिटल युग में सुरक्षा केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि डेटा और डिजिटल नेटवर्क की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो चुकी है। रिपोर्टों के अनुसार एक रैनसमवेयर गिरोह ने दावा किया है कि उसने कुडनकुलम परियोजना से जुड़े हजारों दस्तावेज सार्वजनिक किए हैं। इनमें इंजीनियरिंग ड्रॉइंग, निरीक्षण रिपोर्ट, आपूर्तिकर्ताओं की सूची, बैठकों के अभिलेख और परियोजना से संबंधित अन्य तकनीकी दस्तावेज शामिल बताए जा रहे हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है और जांच जारी है, लेकिन यदि इनका कुछ हिस्सा भी वास्तविक साबित होता है तो यह भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा में मौजूद कमजोरियों की ओर संकेत करेगा। विशेष रूप से यह तथ्य अधिक गंभीर है कि कथित सेंधमारी सीधे संयंत्र के बजाय परियोजना से जुड़े एक ठेकेदार और डेटा सेंटर के माध्यम से हुई बताई जा रही है। इससे स्पष्ट होता है कि किसी भी महत्वपूर्ण परियोजना की सुरक्षा उतनी ही मजबूत होती है, जितनी उसकी सबसे कमजोर डिजिटल कड़ी।

आज दुनिया में साइबर युद्ध पारंपरिक युद्ध जितना ही प्रभावशाली माना जा रहा है। पहले जहां देशों की सुरक्षा सीमाओं, सेनाओं और हथियारों पर निर्भर करती थी, वहीं अब कंप्यूटर नेटवर्क, क्लाउड सर्वर, डेटा सेंटर और डिजिटल संचार प्रणालियां भी राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं। किसी परमाणु परियोजना की तकनीकी जानकारी, आपूर्ति श्रृंखला, विक्रेताओं या रखरखाव से जुड़े दस्तावेज गलत हाथों में पहुंच जाएं तो उनका उपयोग प्रत्यक्ष हमले के बजाय अप्रत्यक्ष रणनीतिक नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा सकता है। ऐसे हमलों का उद्देश्य केवल सिस्टम को बंद करना नहीं होता, बल्कि

संचालन में बाधा डालना, भ्रम पैदा करना और राष्ट्रीय संस्थानों पर दबाव बनाना भी हो सकता है। कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना भारत की ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने और आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने में इस परियोजना की बड़ी भूमिका है। परियोजना की नई इकाइयों के चालू होने से बिजली उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। ऐसे में इससे जुड़ी किसी भी प्रकार की सूचना का दुरुपयोग केवल एक औद्योगिक समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों से जुड़ा विषय बन जाता है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार परमाणु रिएक्टर के मुख्य डिजाइन और नियंत्रण प्रणाली से संबंधित अत्यंत संवेदनशील जानकारी इस कथित लीक का हिस्सा नहीं बताई गई है। फिर भी परियोजना से जुड़े सहायक तंत्रों की जानकारी भी साइबर अपराधियों या शत्रुतापूर्ण तत्वों के लिए उपयोगी हो सकती है।

यह घटना एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने लाती है कि आज अधिकांश सरकारी और औद्योगिक संस्थान अपनी कई सेवाओं के लिए निजी कंपनियों, क्लाउड प्लेटफॉर्म और बाहरी डेटा सेंटरों पर निर्भर हैं। यदि इन सहयोगी संस्थाओं की सुरक्षा पर्याप्त मजबूत नहीं होगी तो मुख्य संस्था की सुरक्षा भी जोखिम में पड़ सकती है। इसलिए केवल सरकारी संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करना पर्याप्त नहीं है। परियोजना से जुड़े प्रत्येक ठेकेदार, सेवा प्रदाता, सॉफ्टवेयर कंपनी और डेटा प्रबंधन एजेंसी के लिए समान स्तर के साइबर सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य होना चाहिए। भारत में साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाएं इस चिंता को और गंभीर बनाती हैं। पिछले कुछ वर्षों में सरकारी विभागों, वित्तीय संस्थानों, अस्पतालों और निजी कंपनियों पर साइबर हमलों की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अनेक मामलों में डेटा चोरी, रैनसमवेयर और डिजिटल जासूसी जैसी गतिविधियां देखने को मिली हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि साइबर अपराधी अब सीधे मुख्य संस्थानों को निशाना बनाने के बजाय उनकी आपूर्ति श्रृंखला और सहयोगी कंपनियों पर हमला कर रहे हैं, क्योंकि वहां सुरक्षा अपेक्षाकृत कमजोर होती है। कुडनकुलम से जुड़ा मामला भी इसी प्रकार के खतरे की ओर संकेत करता है। सरकार द्वारा भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और संबंधित एजेंसियों के माध्यम से मामले की जांच की जा रही है। यह आवश्यक भी है, क्योंकि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तथ्यों की पुष्टि होना जरूरी है। साथ ही यह भी महत्वपूर्ण होगा कि जांच पूरी होने के बाद यदि सुरक्षा संबंधी कोई कमी सामने आती है तो उसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हुए सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। पारदर्शिता और जवाबदेही से ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सकती है।

डिजिटल इंडिया अभियान ने देश में तकनीकी परिवर्तन को नई गति दी है। करोड़ों लोग डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन सेवाओं और ई-गवर्नेंस का लाभ उठा रहे हैं। लेकिन जितनी तेजी से डिजिटल विस्तार होगा, उतनी ही तेजी से साइबर सुरक्षा की चुनौतियां भी बढ़ेंगी। इसलिए डिजिटल विकास और साइबर सुरक्षा को अलग-अलग विषय नहीं माना जा सकता। यदि सुरक्षा मजबूत नहीं होगी तो डिजिटल परिवर्तन पर लोगों का भरोसा भी कमजोर पड़ सकता है। यही कारण है कि विकसित देशों में साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय रक्षा नीति का अभिन्न हिस्सा बनाया जा चुका है।

भारत को भी अब महत्वपूर्ण अवसंरचना की सुरक्षा के लिए व्यापक और बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। नियमित सुरक्षा ऑडिट, एथिकल हैकिंग परीक्षण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित खतरा पहचान प्रणाली, जीरो ट्रस्ट सुरक्षा मॉडल, बहु-स्तरीय प्रमाणीकरण और डेटा एन्क्रिप्शन जैसी आधुनिक तकनीकों को सभी राष्ट्रीय परियोजनाओं में अनिवार्य रूप से लागू करना होगा। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की संख्या बढ़ाने, कर्मचारियों को नियमित प्रशिक्षण देने और आपूर्ति श्रृंखला के प्रत्येक भागीदार की सुरक्षा जांच करने की आवश्यकता है। साइबर सुरक्षा केवल तकनीक का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक अनुशासन और संस्थागत संस्कृति का भी हिस्सा है। कई बार छोटी मानवीय लापरवाही, कमजोर पासवर्ड, असुरक्षित ई-मेल या समय पर सॉफ्टवेयर अपडेट न होने जैसी साधारण गलतियां बड़े साइबर हमलों का कारण बन जाती हैं। इसलिए तकनीकी उपायों के साथ-साथ जागरूकता और जवाबदेही भी उतनी ही आवश्यक है।

विचार विंडो

हाइड्रोजन रेल से बदलेगी भारत की हरित विकास यात्रा

नीरज कुमार दुबे

भारतीय रेल केवल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक जीवनरेखा है। प्रतिदिन करोड़ों लोग रेल से सफर करते हैं और लाखों टन माल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचता है। बदलते समय के साथ रेलवे भी नई तकनीकों को अपनाते हुए आधुनिक बन रही है। इसी क्रम में भारत की पहली हाइड्रोजन चालित रेलगाड़ी का संचालन एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। यह केवल एक नई ट्रेन की शुरुआत नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भारत के बढ़ते कदम का प्रतीक है।

हाइड्रोजन रेल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे चलाने के लिए न तो डीजल की आवश्यकता होती है और न ही ओवरहेड बिजली के तारों की। इसमें हाइड्रोजन ईंधन कोश (फ्यूल सेल) के माध्यम से बिजली तैयार की जाती है। जब हाइड्रोजन और हवा में मौजूद ऑक्सीजन आपस में रासायनिक प्रतिक्रिया करते हैं, तब विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिससे ट्रेन चलती है। इस प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड या धुआं का उत्सर्जन नहीं होता। इसके स्थान पर केवल जल और जलवाष्प निकलते हैं। यही कारण है कि दुनिया भर में हाइड्रोजन को भविष्य का स्वच्छ ईंधन माना जा रहा है।

भारत के लिए इस तकनीक का महत्व कई कारणों से बढ़ जाता है। देश लगातार ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आज भी डीजल और कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात किया जाता है, जिससे विदेशी मुद्रा पर भारी खर्च होता है। यदि भविष्य में हरित हाइड्रोजन का उत्पादन बड़े पैमाने पर संभव हो जाता है, तो रेलवे समेत परिवहन क्षेत्र में आयातित ईंधन पर निर्भरता कम की जा सकती है। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक लाभ भी मिलेगा।

भारतीय रेल पिछले कुछ वर्षों में तेज़ी से विद्युतीकरण की दिशा में आगे बढ़ी है। फिर भी कई ऐसे मार्ग हैं, जहां ओवरहेड विद्युत लाइन बिछाना कठिन या अत्यधिक महंगा है। पर्वतीय क्षेत्रों, दूरदराज के इलाकों और कम यातायात वाले मार्गों पर हाइड्रोजन रेल बेहतर विकल्प बन सकती है। इससे बिना बड़े विद्युत ढांचे के भी स्वच्छ और आधुनिक रेल सेवा उपलब्ध कराई जा सकती है। दुनिया के कुछ देशों ने हाइड्रोजन रेल तकनीक पर पहले ही प्रयोग शुरू कर दिए हैं, लेकिन इसका व्यापक उपयोग अभी शुरुआती चरण में है। ऐसे समय में भारत का इस क्षेत्र में प्रवेश यह दर्शाता है कि देश नई

तकनीकों को अपनाने के साथ-साथ भविष्य की जरूरतों के अनुरूप अपने परिवहन तंत्र को तैयार कर रहा है। यदि यह परियोजना सफल रहती है, तो भारत हाइड्रोजन आधारित रेल तकनीक विकसित करने वाले चुनिंदा देशों की श्रेणी में अपनी मजबूत पहचान बना सकता है।

हालांकि इस तकनीक के सामने कई चुनौतियां भी हैं। हाइड्रोजन अत्यंत ज्वलनशील गैस है, इसलिए इसके भंडारण और परिवहन के लिए अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक होती है। इसे सामान्य ईंधन की तरह नहीं रखा जा सकता। उच्च दबाव वाले विशेष टैंक, तापमान नियंत्रण प्रणाली और प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारियों की जरूरत पड़ती है। इसलिए केवल ट्रेन तैयार कर लेना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उसके अनुरूप सुरक्षित आधारभूत ढांचा भी विकसित करना होगा।

दूसरी बड़ी चुनौती लागत है। वर्तमान समय में हरित हाइड्रोजन का उत्पादन अपेक्षाकृत महंगा है। यदि ईंधन की कीमत अधिक रहेगी तो रेल संचालन भी महंगा पड़ सकता है। इसलिए भारत को सौर और पवन ऊर्जा से बड़े पैमाने पर हरित हाइड्रोजन उत्पादन बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम करना होगा। जैसे-जैसे उत्पादन बढ़ेगा, लागत घटने की संभावना भी बढ़ेगी और तकनीक आम उपयोग के लिए अधिक उपयुक्त बन सकेगी। नई तकनीकों की सफलता केवल उनके वैज्ञानिक पक्ष पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उनके आर्थिक और व्यावहारिक पक्ष भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। हाइड्रोजन रेल की असली परीक्षा उद्घाटन समारोह में नहीं, बल्कि नियमित संचालन के दौरान होगी। यदि यह ट्रेन लंबे समय तक सुरक्षित, भरोसेमंद और किफायती सेवा देने में सफल रहती है, तभी इसे देश के अन्य रेल मार्गों पर विस्तार देने का मार्ग प्रशस्त होगा। यह परियोजना अनुसंधान और औद्योगिक विकास के लिए भी नए अवसर लेकर आएगी। हाइड्रोजन ईंधन कोश, विशेष बैटरियां, उच्च दबाव वाले टैंक और संबंधित तकनीकों के निर्माण में भारतीय उद्योगों की भागीदारी बढ़ेगी। इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलेगी। आने वाले समय में भारत इस क्षेत्र में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा भी बन सकता है। पर्यावरण की दृष्टि से भी यह पहल दूरगामी महत्व रखती है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए परिवहन क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग बढ़ाना आवश्यक है। यदि हाइड्रोजन रेल सफल होती है, तो यह रेलवे के कार्बन उत्सर्जन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है और अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है।

निस्संदेह, भारत की पहली हाइड्रोजन रेल केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि भविष्य के हरित भारत की मजबूत नींव है। यह परियोजना बताती है कि भारतीय रेल अब केवल यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाने का माध्यम नहीं, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक तकनीक का वाहक भी बन रही है। आने वाले वर्षों में यदि हाइड्रोजन उत्पादन, सुरक्षा और लागत से जुड़ी चुनौतियों का प्रभावी समाधान हो जाता है, तो यह तकनीक डीजल आधारित रेल सेवाओं का सशक्त विकल्प बन सकती है। तब भारतीय रेल की पहचान केवल विशाल नेटवर्क के रूप में नहीं, बल्कि स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था के वैश्विक उदाहरण के रूप में भी स्थापित होगी।

सात अंतरराष्ट्रीय मैचों के रन-विकेट रिकॉर्ड से हटेंगे

डोपिंग में फंसे पाक खिलाड़ी तीन महीने का रिकॉर्ड साफ

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट एक बार फिर विवादों में आ गया है। टीम के ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज डोपिंग नियमों के उल्लंघन के दोषी पाए गए हैं, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने उन पर कार्रवाई करते हुए उनके तीन महीने के प्रदर्शन को रिकॉर्ड बुक से हटाने का फैसला किया है। हालांकि जांच में यह स्पष्ट हुआ कि नवाज ने प्रदर्शन बढ़ाने वाली प्रतिबंधित दवा का सेवन नहीं किया था, लेकिन उनके सैंपल में कार्बोक्सी-टीएचसी नामक प्रतिबंधित नशीला पदार्थ मिला, जो डोपिंग नियमों के दायरे में आता है। यह सैंपल फरवरी 2026 में पाकिस्तान और नीदरलैंड्स के बीच खेले गए आईसीसी टूर्नामेंट के दौरान लिया गया

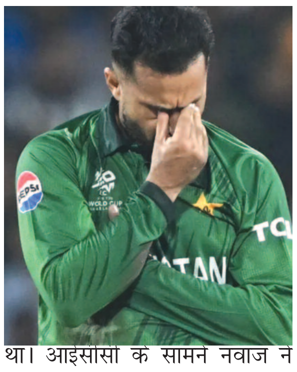

था। आईसीसी के सामने नवाज ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि उन्होंने इस पदार्थ का इस्तेमाल खेल में फायदा लेने के उद्देश्य से नहीं किया था, बल्कि यह मैदान के बाहर का मामला था। इसके बावजूद डोपिंग नियमों के उल्लंघन के कारण उन्हें तीन

आईसीसी ने मोहम्मद नवाज को दोषी ठहराया

महीने के लिए निलंबित किया गया। हालांकि उन्होंने नशा मुक्ति पुनर्वास कार्यक्रम पूरा किया, जिसके चलते आईसीसी के नियमों के अनुसार उनकी प्रभावी सजा घट गई। चूंकि निलंबन अवधि 1 मई 2026 से लागू मानी गई थी, इसलिए अब वह दोबारा क्रिकेट खेलने के लिए पात्र हो चुके हैं।

इस मामले का सबसे बड़ा असर उनके अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड पर पड़ा है। आईसीसी ने 7 फरवरी 2026 से 1 मई 2026 के बीच खेले गए सभी मुकाबलों में नवाज के प्रदर्शन को अमान्य घोषित करने का फैसला किया है। इस अवधि में उन्होंने सात अंतरराष्ट्रीय मैचों में 15 रन बनाए, सात विकेट लिए और चार कैच पकड़े, लेकिन अब यह पूरा प्रदर्शन आधिकारिक रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। क्रिकेट इतिहास में यह बेहद दुर्लभ फैसला माना जा रहा है, क्योंकि किसी खिलाड़ी के अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों को रिकॉर्ड बुक से हटाने की घटनाएं बहुत कम देखने को मिली हैं। इस कार्रवाई ने पाकिस्तान क्रिकेट की छवि पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सभी की नजर इस बात पर रहेगी कि मैदान पर वापसी के बाद मोहम्मद नवाज अपने प्रदर्शन से इस विवाद को पीछे छोड़ पाते हैं या नहीं।

पहले दिन छाई 'द ओडिसी'

नोलन ने फिर रचा इतिहास

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्रिस्टोफर नोलन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द ओडिसी' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है और पहले ही दिन दर्शकों के बीच इसका जबरदस्त क्रेज देखने को मिला।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म की तारीफों की बाढ़ आ गई है। होमर के प्रसिद्ध महाकाव्य पर आधारित इस फिल्म को दर्शक सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि 'विजुअल मास्टरपीस' बता रहे हैं। खासकर 70 एम एम आईमैक्स स्क्रीन पर फिल्म देखने वालों का कहना है कि यह उनके जीवन का सबसे बेहतरीन सिनेमाई अनुभव रहा। भव्य विजुअल्स, दमदार बैकग्राउंड स्कोर और शानदार सिनेमैटोग्राफी ने दर्शकों को पूरी तरह बांधे रखा। कई सिनेमाघरों में दर्शकों को विशेष आइमैक्स टिकट और एक्सक्लूसिव पोस्टर भी दिए गए, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

फिल्म में नोलन की नॉन-लीनियर स्टोरीटेलिंग और निर्देशन की भी जमकर सराहना हो रही है। दर्शकों का कहना है कि लगभग तीन घंटे की फिल्म का हर पल रोमांच और भावनाओं से भरपूर है। मैट डेमन के अभिनय को खास तौर पर पसंद किया जा रहा है, जबकि टॉम हॉलैंड और जेंडया की मौजूदगी भी चर्चा का

सोशल मीडिया पर फिल्म को मिल रही जबरदस्त तारीफ

विषय बनी हुई है। कुछ दर्शकों ने फिल्म के कुछ दृश्यों की तुलना 2004 की चर्चित फिल्म 'ट्रॉय' से की, लेकिन अधिकांश का मानना है कि 'द ओडिसी' अपनी अलग पहचान बनाने में पूरी तरह सफल रही है।

शुरुआती प्रतिक्रियाओं से साफ है कि नोलन ने एक बार फिर बड़े पर्दे पर भव्य सिनेमाई अनुभव पेश किया है। अब सभी की नजर बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के प्रदर्शन पर टिकी है, लेकिन पहले दिन के रुझान बताते हैं कि 'द ओडिसी' इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल होने की मजबूत दावेदार बन चुकी है।

शीर्ष अदालत ने कहा- रथ यात्रा के बाद हो सकती है फिल्म रिलीज

रथ यात्रा से पहले 'महाप्रभु जगन्नाथ' पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। भगवान जगन्नाथ पर आधारित एनिमेटेड फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ' की रिलीज को लेकर चल रहे विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने फिलहाल रथ यात्रा के दौरान फिल्म को रिलीज करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि रथ यात्रा समाप्त होने के बाद, 28 जुलाई या उसके बाद फिल्म की रिलीज पर कोई रोक नहीं होगी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने उड़ीसा हाई कोर्ट के अंतरिम आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र सरकार, ओडिशा सरकार, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह फिल्म पहले 17 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी।

इससे एक दिन पहले दिल्ली में इसकी विशेष स्क्रीनिंग भी प्रस्तावित थी, लेकिन विवाद बढ़ने के कारण उसे स्थगित कर दिया गया। उड़ीसा हाई कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में कहा था कि फिल्म में भगवान जगन्नाथ के चित्रण को लेकर उठी आपत्तियां गंभीर हैं और सार्वजनिक प्रदर्शन से पहले उनकी न्यायिक जांच जरूरी है। इसी आदेश के खिलाफ फिल्म निर्माताओं ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन अदालत ने फिलहाल हाई कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

फिल्म को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब ओडिशा के कुछ याचिकाकर्ताओं ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाने और सीबीएफसी द्वारा जारी

केंद्र और ओडिशा सरकार समेत सभी पक्षों से मांगा जवाब

प्रमाणपत्र रद्द करने की मांग की। उनका आरोप है कि फिल्म में भगवान जगन्नाथ के बचपन, संवाद, युद्ध और साहसिक घटनाओं का काल्पनिक चित्रण धार्मिक ग्रंथों और मंदिर की परंपराओं के अनुरूप नहीं है। हाई कोर्ट ने भी प्रारंभिक सुनवाई में इस पर गंभीर सवाल उठाए थे।

श्रीपाद वारखेडकर के निर्देशन में बनी और एली एनिमेशन्स द्वारा निर्मित इस फिल्म की नई रिलीज डेट अब रथ यात्रा समाप्त होने के बाद घोषित किए जाने की संभावना है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब सभी की नजर आगामी सुनवाई और निर्माताओं की अगली घोषणा पर टिकी हुई है।

दोषी हुआ तो जान दे दूंगा, पांच साल बाद फूटा राज कुंद्रा का दर्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। साल 2021 के चर्चित पोर्नोग्राफी मामले में गिरफ्तार हुए बिजनेसमैन राज कुंद्रा ने करीब पांच साल बाद पहली बार खुलकर अपनी पीड़ा साझा की है। उन्होंने दावा किया कि उन पर लगे आरोपों ने न सिर्फ उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया, बल्कि उनका पूरा कारोबार भी बर्बाद कर दिया। राज कुंद्रा ने कहा कि अगर अदालत उन्हें दोषी ठहराती है तो वह अपनी जान देने तक को तैयार हैं, लेकिन यदि वे बेगुनाह हैं तो उन्हें सम्मान के साथ क्लीन चिट मिलनी चाहिए। राज कुंद्रा ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद उन्हें 63 दिन आर्थर रोड जेल में बिताने पड़े। उनके मुताबिक, पुलिस ने उन्हें सिर्फ बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया था, लेकिन वहीं से गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना के बाद उन्हें और पत्नी शिल्पा शेट्टी को अपने कई कारोबार बंद करने पड़े। उन्होंने दावा किया कि उनके विभिन्न व्यवसायों से जुड़े करीब 4000 लोगों की आजीविका प्रभावित हुई। राज कुंद्रा ने कहा कि पिछले पांच वर्षों से मामला अदालत में लंबित है और लगातार मीडिया ट्रायल का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि यदि उन्होंने कोई अपराध किया है तो उन्हें कड़ी से कड़ी

पोर्नोग्राफी केस पर बोले शिल्पा शेट्टी के पति

63 दिन की जेल और कारोबार बंद होने का दर्द किया बयां

सजा दी जाए, लेकिन यदि वे निर्दोष हैं तो जल्द न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि वह खुद को बेगुनाह मानते हैं और सच सामने आने का इंतजार कर रहे हैं। जेल में बिताए 63 दिनों को याद करते हुए राज ने कहा कि वह उनकी जिंदगी का सबसे कठिन दौर था। कई रातें ऐसी बीतीं जब उन्हें नहीं पता होता था कि अगली सुबह क्या होगा। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि उसी कठिन समय ने उन्हें सिखाया कि मुश्किल वक्त में कौन अपने साथ खड़ा रहता है। गौरतलब है कि राज कुंद्रा को हाल ही में 150 करोड़ रुपये के बिटकॉइन मामले में भी जमानत मिल चुकी है। अदालत ने जांच में सहयोग को देखते हुए उन्हें राहत दी थी, जबकि पोर्नोग्राफी मामले की कानूनी प्रक्रिया अब भी जारी है।

बिना खेले सेमीफाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधु

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला मेजबान जापान की पूर्व विश्व चैंपियन नोआमी ओकुहारा से होना था, लेकिन ओकुहारा के मुकाबले से हटने के कारण सिंधु को वॉकओवर मिल गया। इसके साथ ही भारतीय शटलर बिना कोर्ट पर उतरे अंतिम चार में पहुंच गईं और अब उनका सामना चीन की स्टार खिलाड़ी तथा पूर्व ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई से होगा।

पीवी सिंधु के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने करीब तीन साल बाद किसी सुपर-750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले वह 2023 के डेनमार्क ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। 2026 में सिंधु शानदार लय में नजर आई

हैं और उनकी लगातार बेहतर होती फॉर्म का असर उनकी विश्व रैंकिंग पर भी दिखा है। साल की शुरुआत में विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर रहने वाली सिंधु अब टॉप-10 में वापसी करते हुए नौवें स्थान पर पहुंच चुकी हैं। हालांकि सेमीफाइनल में उनके सामने कड़ी चुनौती होगी। चीन की चेन युफेई के खिलाफ सिंधु का रिकॉर्ड ज्यादा अच्छा नहीं रहा है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक 14 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें सिंधु ने 6 और चेन ने 8 मैच जीते हैं। इतना ही नहीं, पिछले पांच मुकाबलों में लगातार चेन युफेई ने सिंधु को हराया है। ऐसे में भारतीय खिलाड़ी इस बार पुराने रिकॉर्ड को बदलने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगी।

पीवी सिंधु और चेन युफेई के बीच सेमीफाइनल मुकाबला 18

तीन साल बाद सुपर 750 के अंतिम चार में बनाई जगह

जापान ओपन में क्वार्टर फाइनल में मिला वॉकओवर

जुलाई को भारतीय समयानुसार सुबह 6:30 बजे खेला जाएगा। इस मुकाबले का सीधा प्रसारण और लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार पर उपलब्ध होगी। एशियन गेम्स 2026 से पहले सिंधु का शानदार प्रदर्शन भारतीय बैडमिंटन के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। यदि वह अपनी मौजूदा लय बरकरार रखती हैं तो जापान ओपन का खिताब जीतने के साथ-साथ आगामी एशियन गेम्स में भी भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी उम्मीद साबित हो सकती हैं।

शिकोहाबाद में पुलिस मुठभेड़, जवाबी कार्रवाई में दो अपराधी मारे गए

यूनिक समय, फिरोजाबाद । फिरोजाबाद के शिकोहाबाद में शुक्रवार को पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो कुख्यात अपराधी मारे गए। मुठभेड़ के दौरान इटावा एसओजी के दो जवानों को भी गोली लगी। दोनों घायल पुलिसकर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां एक जवान की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, इटावा में लूट की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश अंकित उर्फ सीटू और सुमित संबलपुर एक्सप्रेस से भागने की फिराक में थे। सूचना मिलने के बाद एसओजी टीम ने शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन पर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही दोनों बदमाश ट्रेन से उतरकर भागने लगे और फायरिंग शुरू कर दी।

फायरिंग में एसओजी के सिपाही डेविड चौहान और पुष्पेंद्र चौधरी घायल हो गए। इसके बाद बदमाश स्टेशन से भागकर नगला कन्हई गांव की ओर चले गए। रास्ते में उन्होंने एक बच्चे से बाइक छीन ली और मक्के के खेत में जाकर छिप गए। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। छह थानों की फोर्स समेत 300 से ज्यादा जवानों ने पूरे इलाके को घेर लिया। करीब दो घंटे तक चले अभियान के बाद पुलिस ने खेत में छिपे दोनों बदमाशों को आत्मसमर्पण के लिए कहा, लेकिन उन्होंने फिर से गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश ढेर हो गए।

दो घंटे तक चली गोलीबारी में कार्रवाई

300 जवानों ने गांव की घेराबंदी की

खेत में छिपे बदमाशों से हुई भिड़ंत

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी इटावा के एक डॉक्टर से हुई चेन लूट की घटना में वांछित थे। इस वारदात के बाद से एसओजी उनकी तलाश कर रही थी।

डीआईजी यमुना प्रसाद ने बताया कि दोनों बदमाशों का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। पुलिस अब उनके अन्य मामलों और आपराधिक नेटवर्क की जांच कर रही है। घायल जवानों का इलाज जारी है।

डिंपल यादव पहुंची जंतर-मंतर वांगचुक से की मुलाकात

यूनिक समय, नई दिल्ली। सपा सांसद डिंपल यादव गुरुवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचीं और अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने वांगचुक के आंदोलन को समर्थन दिया और कहा कि युवाओं को अपने अधिकारों और सम्मान की लड़ाई के लिए आगे आना चाहिए।

डिंपल यादव ने दावा किया कि सोनम वांगचुक ने उन्हें बताया है कि वह 20 जुलाई को अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर देंगे। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे संसद तक होने वाले मार्च में शामिल हों।

डिंपल ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसे लोगों की परेशानियों से कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि छात्रों और किसानों के मुद्दों को लेकर आवाज उठाना जरूरी है।

सोनम वांगचुक नीट पेपर लीक मामले को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वह पिछले कई दिनों से

डिंपल ने वांगचुक को दिया समर्थन

नीट मामले पर सरकार से मांगा जवाब

डिंपल यादव का दावा 20 जुलाई तक अनशन समाप्त कर देंगे

अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। इस दौरान उनका स्वास्थ्य भी प्रभावित हुआ है।

डिंपल यादव के साथ कई सपा सांसद और विधायक भी मौजूद रहे। इससे पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव और अन्य विपक्षी नेता भी वांगचुक से मुलाकात कर चुके हैं।

वहीं, प्रदर्शनकारी संगठन सीजेपी लगातार सरकार से जवाबदेही की मांग कर रहा है। संगठन का कहना है कि छात्रों से जुड़े मामलों पर सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए।

बहराइच में मगरमच्छ का खौफनाक हमला, 12 साल के बच्चे की मौत

ग्रामीणों ने घंटों चलाया तलाश अभियान

यूनिक समय, बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां घाघरा नदी में एक मगरमच्छ ने 12 वर्षीय बच्चे पर हमला कर दिया, जिसमें उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद लोग सहम गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, बौंडी थाना क्षेत्र के टिकुरी गांव निवासी सुनील अपने चाचा विजय राज सिंह के साथ खेत में धान की रोपाई करने गया था। काम पूरा करने के बाद दोनों वापस लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में घाघरा नदी के किनारे बच्चा हाथ-पैर धोने लगा।

अचानक नदी से निकले मगरमच्छ ने बच्चे पर हमला कर दिया और उसे अपने जबड़े में दबोच लिया। बच्चे ने खुद को बचाने के लिए काफी संघर्ष किया। चाचा और आसपास मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाया और ईंट-पत्थर फेंककर मगरमच्छ को भगाने की कोशिश की, लेकिन वह बच्चे को छोड़ नहीं पाया।

मगरमच्छ बच्चे को खींचकर नदी के गहरे पानी में ले गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने बांस और टॉर्च की मदद से नदी में तलाश शुरू की।

करीब पांच घंटे की खोजबीन के बाद घटनास्थल से लगभग 300 मीटर दूर बच्चे का शव बरामद हुआ। परिजनों के मुताबिक, सुनील के माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी और वह अपने चाचा के साथ रहता था। वह चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था। वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की बात कही है। ग्रामीणों का कहना है कि नदी में मगरमच्छों की मौजूदगी से पहले भी खतरा बना रहता है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा और निगरानी बढ़ाने की मांग उठ रही है।

राज्यसभा सांसद के आवास के सामने गोशाला के दानपात्र से चोरी

यूनिक समय, आगरा । आगरा के सिकंदरा थाना क्षेत्र में स्थित एक गोशाला में चोरी का मामला सामने आया है। चोरों ने गोशाला के बाहर रखे दानपात्र को तोड़कर उसमें रखे रुपये चोरी कर लिए। घटना की जानकारी सुबह गोशाला पहुंचने पर हुई।

यह गोशाला इंडस्ट्रियल एरिया में राज्यसभा सांसद नवीन जैन के आवास के सामने स्थित है। यहां करीब 70 निराश्रित और बीमार गोवंश की देखभाल की जाती है। गोशाला के संचालन के लिए लोग दानपात्र में सहयोग राशि डालते हैं।

जानकारी के अनुसार, बुधवार रात चोरों ने मौका पाकर दानपात्र तोड़ा और उसमें रखे सभी रुपये लेकर फरार हो गए। सुबह कर्मचारियों और समिति के सदस्यों ने दानपात्र टूटा देखा तो इसकी सूचना दी। गोशाला समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि दानपात्र से मिलने वाली राशि से गोवंश के चारे और दवाओं की व्यवस्था की जाती है। मामले में पुलिस को शिकायत दी जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश में जुटी है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी सुप्रीम कोर्ट को देगी अंतरिम रिपोर्ट

यूनिक समय, अयोध्या । राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम जल्द ही अपनी अंतरिम रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश कर सकती है। जांच टीम ने मामले से जुड़े कई अहम पहलुओं की पड़ताल की है और अंतिम रिपोर्ट दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, एसआईटी ने चढ़ावा गणना व्यवस्था, वित्तीय लेनदेन, बैंकिंग रिकॉर्ड, आरोपियों की भूमिका और संबंधित दस्तावेजों की जांच की है। कस्टडी रिमांड के दौरान पूछताछ और बरामदगी से मिले सुरागों का भी सत्यापन किया जा रहा है इससे पहले 23 जून को एसआईटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंपी थी। जांच में मंदिर की प्रशासनिक और वित्तीय व्यवस्थाओं से जुड़ी कई कमियां सामने आने की बात कही गई थी। रिपोर्ट में दानराशि की सुरक्षा, गणना प्रक्रिया, आभूषणों के रिकॉर्ड और नियुक्तियों से जुड़े मामलों पर भी सवाल उठाए गए थे।

अलीगढ़ सांसद के बयान पर मचा सियासी घमासान

यूनिक समय, अलीगढ़ । अलीगढ़ के सांसद सतीश गौतम का एक बयान सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। खैर नगर पालिका परिषद के विकास कार्यों के उद्घाटन कार्यक्रम में उन्होंने सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और फर्जी खातों को लेकर लोगों को सतर्क रहने की अपील की।

सांसद ने कहा कि कुछ लोग फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर समाज में भ्रम और आपसी विवाद पैदा करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने लोगों से बिना जांच किसी भी भड़काऊपोस्ट या अफवाह पर भरोसा न करने की अपील की।

कार्यक्रम में दिए गए उनके बयान का वीडियो वायरल होने के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। कुछ लोगों ने सांसद के बयान का समर्थन करते हुए इसे समाज को जागरूक करने वाला बताया, जबकि कुछ लोगों ने इसे आपत्तिजनक करार दिया। विरोध करने वालों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों को सार्वजनिक मंचों से ऐसे शब्दों के इस्तेमाल से बचना चाहिए, जिससे किसी समुदाय के प्रति गलत संदेश जाए। वहीं सांसद समर्थकों ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल फर्जी खबरों और अफवाहों से बचने की अपील करना था।

शामली-बिजनौर को मिली विकास की सौगात

शामली में सपा-कांग्रेस पर जमकर बरसे सीएम योगी

यूनिक समय, शामली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शामली और बिजनौर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शामली में 617.70 करोड़ रुपये की 90 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और विपक्षी दलों सपा व कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास और जनकल्याण योजनाओं को हर वर्ग तक पहुंचाना है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने अपने दौरे से पहले सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा था कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2,452 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 255 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा। शामली कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिजनौर पहुंचे। यहां उन्होंने विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित करने का कार्यक्रम रखा गया।

मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए बिजनौर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। करीब 2500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई और हेलीपैड, कार्यक्रम स्थल व पूरे मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई। वहीं, मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान कुछ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा रोके जाने का मामला भी सामने आया। कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए विरोध जताया।

किसान संगठनों ने भी अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने की कोशिश की, लेकिन कुछ नेताओं को पुलिस ने नजरबंद कर दिया। प्रशासन ने वीवीआईपी कार्यक्रम को देखते हुए कई मार्गों पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया।

मुख्यमंत्री का पश्चिमी यूपी दौरा विकास योजनाओं के साथ-साथ राजनीतिक संदेश के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बीएसए बनकर शिक्षक से मांगे 40 हजार, ठगी की कोशिश

यूनिक समय, आगरा । आगरा में साइबर ठगों ने अब शिक्षकों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ठगों ने बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) बनकर एक शिक्षक से 40 हजार रुपये मांग लिए। आरोपी ने समायोजन सूची से नाम हटवाने और मनचाहा स्कूल दिलाने का झांसा दिया।

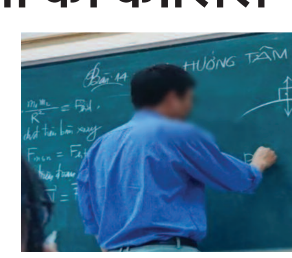

मामला सैंया विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय भिड़ावली का है। शिक्षक को फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को आगरा का बीएसए बताया और जल्द काम कराने के नाम पर पैसे मांगे। हालांकि शिक्षक ने समय रहते इसकी जानकारी अधिकारियों को दे दी, जिससे ठगी होने से बच गई।

बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह ने शिक्षकों को सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि साइबर ठग समायोजन की सरप्लस सूची का डेटा हासिल कर शिक्षकों को फोन और संदेश भेज रहे हैं।

उन्होंने साफ किया कि विभाग की ओर से किसी भी काम के लिए पैसे नहीं मांगे जाते। ऐसे फोन, व्हाट्सएप कॉल या संदेश पर भरोसा न करें और तुरंत अधिकारियों को सूचना दें। मामले में कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन शुरू

इतिहास में दर्ज हुआ जींद का नाम : मोदी

पीएम ने दिखाई पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी

आधुनिक सुविधाओं और सुरक्षा से लैस ट्रेन

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने हरित और आधुनिक परिवहन की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस शुरुआत के साथ भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जहां हाइड्रोजन तकनीक से चलने वाली यात्री ट्रेन का संचालन हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जींद में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का सपना अब साकार हो गया है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के साथ जींद, सोनीपत और हरियाणा का नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। यह हाइड्रोजन ट्रेन जींद और सोनीपत के बीच करीब 89 किलोमीटर लंबे मार्ग पर चलेगी। इसमें हाइड्रोजन ईंधन सेल तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे ट्रेन को चलाने के लिए डीजल या बाहरी बिजली की जरूरत नहीं पड़ती। इस प्रक्रिया में प्रदूषण न के बराबर होता है और केवल जलवाष्प व गर्मी निकलती है।

इस स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन में 3200 हॉर्सपावर का शक्तिशाली इंजन लगाया गया है। इसकी सामान्य गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा है, जबकि इसे 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक चलाने की क्षमता है। दस डिब्बों वाली इस ट्रेन में करीब 2600 यात्री सफर कर सकेंगे। यात्रियों की सुरक्षा के लिए ट्रेन में हाइड्रोजन रिसाव पहचान प्रणाली, आग का पता लगाने वाले उपकरण और स्वचालित सुरक्षा प्रणाली लगाई गई है। किसी भी खतरे की स्थिति में यह तकनीक तुरंत कार्रवाई कर सकती है।

रेलवे ने आम यात्रियों को ध्यान में रखते हुए इसका किराया भी कम रखा है। इसका न्यूनतम किराया 5 रुपये और अधिकतम किराया 25 रुपये तक होगा।

भारतीय रेलवे भविष्य में इस तकनीक का इस्तेमाल अन्य ट्रेनों में भी करने की योजना बना रहा है। खासतौर पर ऐतिहासिक मार्गों पर चलने वाली ट्रेनों में हाइड्रोजन तकनीक लागू करने की तैयारी है।

यह कदम स्वच्छ ऊर्जा, कम प्रदूषण और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दिल्ली पुलिस को मिला नया कमिश्नर, अनुराग कुमार ने संभाली कमान

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पुलिस प्रशासन को लेकर बड़ा बदलाव हुआ है। दिल्ली पुलिस के मौजूदा कमिश्नर सतीश गोलचा को उनके रिटायरमेंट से पहले ही पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अनुराग कुमार को दिल्ली पुलिस का नया कमिश्नर नियुक्त किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को अनुराग कुमार की नियुक्ति का आदेश जारी किया। 1994 बैच के एजीएमयूटी कैडर के आईपीएस अधिकारी अनुराग कुमार ने कार्यभार संभाल लिया है।

वह अगले आदेश तक दिल्ली पुलिस आयुक्त के पद पर बने रहेंगे। अनुराग कुमार इससे पहले खुफिया ब्यूरो (आईबी) में विशेष निदेशक के पद पर तैनात थे। इससे पहले वह दिल्ली पुलिस में डीसीपी नॉर्थ ईस्ट और डीसीपी नॉर्थ की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। लंबे समय तक आईबी में काम करने के बाद उन्हें दोबारा एजीएमयूटी कैडर में भेजा गया है। वहीं, सतीश गोलचा को नए पुलिस आयुक्त के कार्यभार संभालने के बाद आगे की नियुक्ति के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल को रिपोर्ट करने को कहा गया है। सतीश गोलचा को अगस्त 2025 में दिल्ली पुलिस कमिश्नर बनाया गया था। इससे पहले वह तिहाड़ जेल के महानिदेशक और अरुणाचल प्रदेश के पुलिस महानिदेशक की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

अग्निमित्रा पॉल का अभिषेक बनर्जी पर हमला

बोलीं- कानून सबके लिए समान

'शेर' बयान को लेकर टीएमसी पर साधा निशाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। राज्य की शहरी विकास एवं नगर विकास मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने तृणमूल कांग्रेस और अभिषेक बनर्जी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने ममता बनर्जी के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने अभिषेक बनर्जी को 'शेर' बताया था।

अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि चाहे कोई कितना भी बड़ा हो, अगर उसने कोई गलत काम किया है तो उसका जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि "शेर हो या चूहा, सभी के कर्मों का हिसाब होगा।"

उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस पहले भी अपने नेताओं को विशेष छवि के रूप में पेश करती रही है। अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि किसी व्यक्ति को बड़ा दिखाने से कानून की प्रक्रिया नहीं बदलती।

अग्निमित्रा पॉल ने अभिनेत्री और पूर्व टीएमसी राज्यसभा सदस्य कोयल मलिक के इस्तीफे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि राजनीति और फिल्मी करियर के बीच स्पष्ट निर्णय लेना चाहिए। उनके अनुसार, एक साथ कई क्षेत्रों में सक्रिय रहकर सुविधाएं लेना उचित नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग परिस्थितियों के अनुसार अपना रुख बदलते हैं, जिसे जनता पसंद नहीं करती। हालांकि, कोयल मलिक के इस्तीफे को लेकर अलग-अलग राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

वहीं, कोलकाता एयरपोर्ट परिसर में स्थित मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद पर भी अग्निमित्रा पॉल ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट विस्तार और विकास कार्य राज्य की जरूरत हैं। उन्होंने दावा किया कि सरकार सभी समुदायों के विकास के लिए काम कर रही है।

उन्होंने विपक्ष पर विकास के मुद्दों को धार्मिक रंग देने का आरोप लगाया। अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं और विकास परियोजनाओं से समाज के हर वर्ग को लाभ मिलेगा।

इंडिगो विमान में बम की धमकी से हड़कंप

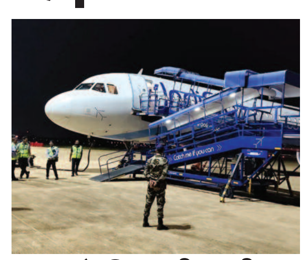

जांच में निकली झूठी सूचना

यूनिक समय, नई दिल्ली। बेंगलुरु से अहमदाबाद जाने वाली इंडिगो की उड़ान में बम होने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। विमान के वॉशरूम में सफाई कर्मचारी को एक धमकी भरी चिट मिली, जिसमें विमान में बम होने की बात लिखी थी।

घटना गुरुवार रात की बताई जा रही है। उड़ान भरने से पहले बेंगलुरु एयरपोर्ट पर विमान की जांच के दौरान यह चिट बरामद हुई। सूचना मिलते ही विमान को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया और सुरक्षा एजेंसियों ने पूरी जांच की।

जांच के दौरान विमान के अंदर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। अधिकारियों ने इसे झूठी धमकी (हॉक्स कॉल) बताया। इस कारण उड़ान में देरी हुई और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इंडिगो ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अब धमकी भरी चिट लिखने वाले व्यक्ति की पहचान करने में जुटी है। हाल के दिनों में देश में विमान, स्कूल और अन्य स्थानों पर ऐसी झूठी धमकियों के मामले बढ़े हैं।

दिल्ली में अवैध बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अवैध बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी भारत में बिना वैध दस्तावेजों के रह रहा था और संदिग्ध गतिविधियों के लिए ट्रांसजेंडर महिला का भेष अपनाता था। नॉर्थ-वेस्ट जिले की फॉरेनर सेल ने जहांगीरपुरी इलाके में कार्रवाई करते हुए 24 वर्षीय मोहम्मद अब्दुल अलीम को पकड़ा।

हैदराबाद में 237 किलो गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

हैदराबाद में 237 किलो गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेलंगाना की ईगल फोर्स ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हैदराबाद में एक लॉरी कंटेनर से 237 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त किए गए गांजे की कीमत करीब 1.18 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, यह गांजा ओडिशा से लाकर पुणे और मुंबई में बेचने की तैयारी थी।

ईगल फोर्स, राज्य टास्क फोर्स और रचाकोंडा नारकोटिक्स पुलिस की संयुक्त टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग-65 पर कार्रवाई करते हुए लॉरी को रोका। तलाशी के दौरान कंटेनर से 10 बोरियों में गांजा मिला। इस मामले में बिहार और पुणे के रहने वाले दो कथित परिवहनकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने आर्थिक मदद के बदले गांजा तस्करी का काम शुरू किया था। पूछताछ में उन्होंने लॉरी के केबिन में गांजा छिपाकर ले जाने की बात स्वीकार की। अधिकारियों के मुताबिक, ईगल फोर्स पिछले कुछ समय से ओडिशा से देश के अलग-अलग हिस्सों में होने वाली गांजा तस्करी पर नजर रख रही थी। टीम ने इस कार्रवाई के जरिए बड़ी खेप को पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस अब फरार आरोपियों और पूरे तस्करी नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। मामले में आगे की जांच जारी है।

बीएलए ने पाकिस्तानी सेना पर किया बड़ा हमला

45 से अधिक सैनिकों के मारे जाने की आशंका

बलोचिस्तान में फिर गूंजी गोलियां

मस्तुंग जिले में काफिले पर हमले का दावा

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में एक बार फिर सुरक्षा हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। बलोच लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के एक बड़े काफिले पर हमला किया, जिसमें 45 से अधिक सैनिकों के मारे जाने और कई अन्य के घायल होने की बात कही गई है। हालांकि, इस दावे की अभी तक पाकिस्तान सरकार या सेना की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

बीएलए के अनुसार यह हमला बलोचिस्तान के मस्तुंग जिले के खडकोचा इलाके में किया गया। संगठन का दावा है कि हमले का निशाना पाकिस्तानी सेना के जवानों को लेकर जा रहे सैन्य वाहन थे। बताया गया कि काफिले के साथ मौजूद सुरक्षा एस्कॉर्ट को भी निशाना बनाया गया।

संगठन के मुताबिक, हमले के बाद जब अतिरिक्त सुरक्षा बल घटनास्थल पर पहुंचे तो उनके साथ भी मुठभेड़ हुई। बीएलए ने दावा किया कि काफी देर तक चली इस कार्रवाई में बड़ी संख्या में सैनिकों को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलोच ने बयान जारी कर इस हमले की जिम्मेदारी संगठन की विशेष इकाई "फतह स्क्वाड" को दी है। संगठन का कहना है कि यह एक योजनाबद्ध अभियान था और आने वाले समय में वह हमले से जुड़ी विस्तृत जानकारी जारी करेगा। बीएलए ने दावा किया है कि अगले बयान में कार्रवाई की रणनीति, हमले के दौरान हुए नुकसान और इस्तेमाल किए गए तरीकों से जुड़ी जानकारी साझा की जाएगी। हालांकि, सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे दावों की पुष्टि स्वतंत्र स्रोतों से होना जरूरी है।

फिलहाल पाकिस्तान की सेना या सरकार की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सुरक्षा एजेंसियों ने भी हमले को लेकर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। बलोचिस्तान लंबे समय से सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है। यहां अलगाववादी संगठनों और सुरक्षा बलों के बीच कई बार हिंसक घटनाएं सामने आती रही हैं। बीएलए पहले भी पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों, सुरक्षा बलों और सरकारी संस्थानों पर हमलों की जिम्मेदारी ले चुका है। ताजा घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है।

राहुल गांधी के कार्यक्रम से पहले देहरादून में हादसा, कार्यकर्ता की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। देहरादून में राहुल गांधी के कार्यक्रम से पहले बड़ा हादसा सामने आया है। बन्नू स्कूल मैदान में तैयारियों के दौरान लोहे की छड़ गिरने से कांग्रेस कार्यकर्ता अमर सिंह मेहता की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, 65 वर्षीय अमर मेहता कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे थे। इसी दौरान अस्थायी ढांचे से लोहे की भारी छड़ अचानक गिर गई, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट लग गई। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि यह भी देखा जा रहा है कि मंच और पंडाल की तैयारियों में सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं। राहुल गांधी शुक्रवार को देहरादून के बन्नू स्कूल मैदान में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं।

इस दौरान वह छात्रों से संवाद करेंगे और शिक्षा व युवाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। हादसे के बाद कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है।

मथुरा में 2,247 मतदेय स्थल 1,107 मतदान केंद्र तय

मतदेय स्थलों की सूची के बारे में आयोजित बैठक में डीएम सीपी सिंह, विधायक पूरन प्रकाश और अन्य दलों के नेता।

राजनीतिक दलों से नहीं मिली कोई आपत्ति, 30 मतदेय स्थल जर्जर मिले

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को विधायक, जनप्रतिनिधियों, मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय-राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदेय स्थलों के आलेख्य प्रकाशन के बाद बैठक आयोजित हुई।

बैठक में बताया गया कि निर्धारित समय तक किसी भी राजनीतिक दल की ओर से कोई आपत्ति या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ। ऐसे में चार जुलाई को प्रकाशित मतदेय स्थलों की सूची को ही अंतिम रूप दे दिया गया। 29 जून से एक जुलाई तक राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर प्रस्ताव तैयार किए गए, 16 जुलाई तक शिकायतें देने का अवसर दिया गया। डीएम ने बताया कि शिकायतों के निस्तारण के बाद सूची को अंतिम रूप देकर 25, 27 और 28 जुलाई को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय भेजा जाएगा। इसके बाद 31 जुलाई को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग को अनुमोदन के लिए प्रेषित करेगा। जनपद में कुल 2,247 मतदेय स्थल और 1,107 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इनमें छाता विधानसभा में 416 मतदेय स्थल व 190 मतदान केंद्र, मांट में 458 मतदेय स्थल व 302 मतदान केंद्र, गोवर्धन में 397 मतदेय स्थल व 206 मतदान केंद्र, मथुरा में 495 मतदेय स्थल व 122 मतदान केंद्र तथा बल्देव (आरक्षित) में 481 मतदेय स्थल व 287 मतदान केंद्र शामिल हैं। बैठक में विधायक पूरन प्रकाश,हेमंत अग्रवाल, कांग्रेस के मुकेश धनगर, नरेंद्र शर्मा, अशोक कुमार श्रीवास्तव, बलवीर सिंह प्रधान, भाजपा के आकाश चौधरी, रामकिशन पाठक, समाजवादी पार्टी के वीरेंद्र यादव, आम आदमी पार्टी के भगत सिंह, बसपा के प्रेम प्रकाश और मुनेन्द्र सिंह निगम, उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एसडीएम चंद्र भूषण प्रताप (मांट), मोहित कुमार (सदर), प्राजक्ता त्रिपाठी (महावन), तहसीलदार सचिन पंवार (छाता), सुशील कुमार गुप्ता (मांट) और अमित त्रिपाठी (मथुरा) सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फरह में झगड़े के इनामी अभियुक्त सहित दो गिरफ्तार

एक अभियुक्त की गिरफ्तारी पर घोषित था पच्चीस हजार का इनाम

यूनिक समय, मथुरा। फरह कस्बा में कबाड़े की दुकान पर हुए झगड़े को लेकर एक पक्ष पर किए गए फायरिंग-पथराव मामले में पुलिस ने एक पच्चीस हजार के इनामी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, कबाड़े के पैसे के लेनदेन को लेकर परखम चौराहे पर 29 मार्च 2026 को कबाड़े की टाल पर एक युवक के साथ दुकानदार आदि का झगड़ा हो गया था। इसके बाद कबाड़ियों की ओर से फायरिंग और पथराव आदि की गई। मामले मौहल्ला व्यापारियान निवासी सोहिल उर्फ साहिल उर्फ सोहेल सहित अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। सोहिल की गिरफ्तारी न होने पर पुलिस ने पच्चीस हजार का इनाम घोषित कर दिया। फरह पुलिस ने अभियुक्त सोहिल और दूसरे अभियुक्त फारूख उर्फ शाहरुख को उनके घरों पर दबिश देकर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल, उप निरीक्षक अजय सिंह मलिक, उप निरीक्षक अरूण त्यागी और पुलिसकर्मी हैं।

बृज सेवा फाउंडेशन ने स्थापना दिवस पर मनाया सेवा का उत्सव

कार्यक्रम में मौजूद बृज सेवा फाउंडेशन के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। रथयात्रा और स्थापना दिवस पर बृज सेवा फाउंडेशन ने प्रसाद ऑन व्हील सेवा के माध्यम से श्रद्धालुओं और जरूरतमंदों को आमरस और खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया। पदाधिकारियों ने बताया कि यह सेवा पिछले वर्ष रथ यात्रा पर प्रारंभ की गई थी। अधिक मास में प्रतिदिन प्रसाद ऑन व्हील सेवा के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर प्रसाद वितरण किया। बृज सेवा फाउंडेशन का उद्देश्य केवल प्रसाद वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि बृज धाम की सेवा, स्वच्छता और संरक्षण के लिए जनभागीदारी बढ़ाना भी है।

इस अवसर पर संस्था ने अपनी आगामी योजनाओं की भी घोषणा की, जिनमें बृज 84 कोस परिक्रमा मार्ग पर व्यापक स्वच्छता अभियान, प्रमुख धार्मिक स्थलों पर नियमित सफाई,शीतल जल, जनजागरूकता कार्यक्रम और सेवा कार्यों का विस्तार शामिल है। सेवा सहयोग में नीरज तायल, आशीष, अमर,चंद्र शेखर, कमल, कपिल, अमित, कृष्ण गोपाल, राहुल बंसल, अनूप अग्रवाल, नितिन बगिया, खुशबू, अनिशा, भावना, पलक, नूपुर, बबीता, शोभा, सुहानी,श्वेता ने प्रमुख रूप से अपना योगदान दिया।

व्यापारियों को दिए स्वच्छता और शुद्ध भोजन के निर्देश

व्यापारियों के साथ बैठक करते खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग के अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन में 23 से 30 जुलाई तक लगने वाले पारंपरिक मड़िया पूर्णिमा मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को साफ-सुथरा और शुद्ध भोजन मिले, इसके लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने गोवर्धन के व्यापारियों के साथ बैठक की। बैठक में अधिकारियों ने व्यापारियों से कहा कि मेले के दौरान अच्छी गुणवत्ता का खाद्य और पेय पदार्थ ही बेचा जाए। सभी दुकानों पर खाने-पीने की चीजों की रेट लिस्ट लगाई जाए, खाद्य पदार्थों को हमेशा ढककर रखा जाए और दुकान के अंदर और आसपास साफ-सफाई होनी चाहिए। व्यापारियों से यह भी कहा गया कि मेले में सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलीथिन का इस्तेमाल न करें, ताकि मेला पूरी तरह स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सके। सभी दुकानदार अपने यहां ढक्कन वाला डस्टबिन रखें और खाना बनाते और बेचते समय हेड कैप, एप्रन और हैंड ग्लव्स का इस्तेमाल करना होगा। बैठक में सहायक आयुक्त (खाद्य) जतिन कुमार सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के.के. त्रिपाठी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह और नेहा मौजूद रहे।

हरित ब्रज के संकल्प संग अहिल्यागंज वन भूमि में हुआ पौधारोपण

पौधारोपण करते परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र और मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप आदि।

यूनिक समय, मथुरा। पर्यावरण संरक्षण और हरित ब्रज के निर्माण के उद्देश्य के साथ अहिल्यागंज बांगर वन भूमि में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र और मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने पौधे लगाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उपाध्यक्ष ने कदम्ब और मंडलायुक्त ने पाकड़ का पौधा रोपा। कार्यक्रम में दोनों अधिकारियों ने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन के साथ आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की प्रेरणा से चल रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जन-जन का आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए फलदार और छायादार पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल पर जोर दिया। कार्यक्रम में डीएफओ वेंकट श्रीकर ने गूलर और ब्रज तीर्थ विकास परिषद के प्रभारी ईको रेस्टोरेशन यूनिट मुकेश शर्मा ने बरगद का पौधा लगाया। उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

प्रोफेसर शिवराज भारद्वाज ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की मुलाकात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करते बीएसए कॉलेज के प्रोफेसर शिवराज भारद्वाज।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज के प्रोफेसर शिवराज भारद्वाज ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी बनाए जाने का अनुरोध किया। मुलाकात के दौरान प्रोफेसर भारद्वाज ने अपनी उम्मीदवारी को लेकर बात की।

वृंदावन में बिकने लगे होटल,कारोबारियों की बढ़ी चिंता

बैंक ऋण, बिजली बिल और रखरखाव का खर्च बना बड़ा बोझ

कम आमदनी के चलते कई होटल संचालक तलाश रहे खरीदार

यूनिक समय, वृंदावन। धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र वृंदावन में पिछले कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में होटल और गेस्ट हाउस बने, लेकिन अब इनमें से कई होटल बिक्री के लिए बाजार में आ गए हैं। इंटरनेट मीडिया और प्रॉपर्टी प्लेटफॉर्म पर होटलों के बिक्री संबंधी विज्ञापन लगातार दिखाई दे रहे हैं। होटल कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि बढ़ती संचालन लागत और अपेक्षित आय नहीं मिलने से कई संचालक होटल बेचने पर विचार कर रहे हैं।

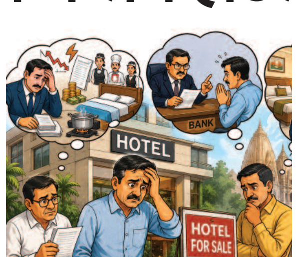

व्यवसायियों के अनुसार, होटल निर्माण में अधिकांश लोगों ने अपनी पूंजी के साथ बैंक से ऋण भी लिया था। शुरुआत में धार्मिक पर्यटन बढ़ने की उम्मीद थी, लेकिन कई होटलों में वर्षभर पर्याप्त बुकिंग नहीं मिल पाती। इससे मासिक खर्च निकालना मुश्किल हो रहा है।

होटल संचालकों का कहना है कि बिजली बिल, कर्मचारियों का वेतन, कमरों की नियमित साफ-सफाई, बेडशीट और अन्य लिनेन की धुलाई, रखरखाव और रसोई संचालन जैसे खर्च हर महीने निश्चित रूप से करने पड़ते हैं।

इसके अलावा बैंक ऋण की मासिक किस्त समय पर जमा करना भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। समय पर भुगतान नहीं होने पर बैंक की ओर से लगातार दबाव बनाया जाता है।

होटल कारोबार से जुड़े जानकारों का मानना है कि जिन होटलों की लोकेशन प्रमुख मंदिरों या व्यस्त मार्गों से दूर है, वहां श्रद्धालुओं की संख्या अपेक्षाकृत कम रहती है। ऐसे प्रतिष्ठानों के सामने आय और खर्च के बीच संतुलन बनाना कठिन हो रहा है। यही कारण है कि कुछ निवेशक अब होटल बेचकर दूसरे कारोबार की ओर रुख करने की तैयारी कर रहे हैं।

हालांकि, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि वृंदावन में धार्मिक पर्यटन की संभावनाएं अभी भी मजबूत हैं। बेहतर प्रबंधन, डिजिटल बुकिंग और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के माध्यम से होटल व्यवसाय को फिर से लाभदायक बनाया जा सकता है।

भारत गौरव प्रेरणा सम्मान से सम्मानित हुए कराटे प्रशिक्षक अशोक जैन

यूनिक समय, मथुरा। घीया मंडी निवासी-अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रशिक्षक अशोक जैन ने फिर मथुरा का नाम गौरवान्वित किया है। अशोक जैन थर्ड डान ब्लैक बेल्ट धारक हैं, पहले भी अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ा चुके हैं। उन्होंने बैंकॉक, सिंगापुर और हांगकांग सहित कई देशों में मार्शल आर्ट्स और मार्शल आर्ट्स वेपन्स (हथियार आधारित प्रशिक्षण) का प्रशिक्षण दिया है। खेल-मार्शल आर्ट्स के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें विभिन्न संस्थाओं द्वारा समय-समय पर सम्मानित किया जाता रहा है। अब अशोक जैन को भारत गौरव प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया गया है। इससे पूर्व सेवा प्रीत फाउंडेशन द्वारा 20 जून को आयोजित कार्यक्रम में उनका नाम यूनाइटेड स्टेट्स ग्लोबल मेरिट रिकॉर्ड में दर्ज किया गया था। साथ ही उन्हें बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और इंटरनेशनल ओलंपिक डे चैंपियन ऑफ एक्सीलेंस अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

गोल्ड मैडल दिखाते कराटे प्रशिक्षक अशोक जैन।